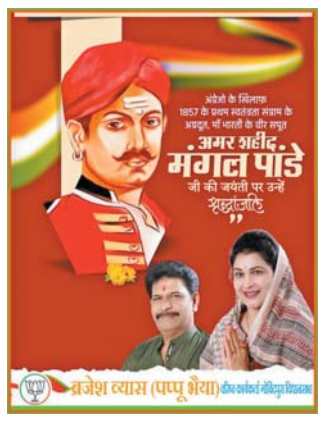

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 55/ अंक 04/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 19 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

नागपंचमी: 28 जुलाई की रात 12 बजे खोलेंगे मंदिर के पट, 29 की रात 12 बजे तक होंगे दर्शन

सांध्यप्रकाश विशेष

सोशल मीडिया से

घर के गहने बेचे, बचत के पैसे मिलाए और 1.25 करोड़ से सैनिक को लिए लगाया ऑक्सीजन संयंत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के बगल में बैठे हैं पुणे निवासी योगेश सिद्धार्थ और उनकी पत्नी सुमीता सिद्धार्थ। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें अपने घर आमंत्रित किया है ताकि वह उन्हें बधाई दे सकें। दरअसल योगेश सिद्धार्थ भारतीय वायु सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। सियाचिन ग्लेशियर में तैनात हमारे सैनिकों को समय-समय पर ऑक्सीजन की कमी का सामना करना पड़ता था। इस समस्या का समाधान खोजने

के लिए योगेश सिद्धार्थ ने अपने सारे बचत और घर के सारे गहने बेच दिए और कुल 1.25 करोड़ की लागत से सियाचिन में एक ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित कर दिया, यह दुनिया का सबसे ऊंचा युद्धक्षेत्र है। इसका परिणाम यह हुआ कि वहां की ऑक्सीजन की कमी अब समाप्त हो गई है और अब हमारे 20,000 सैनिकों को आवश्यक ऑक्सीजन मिल रही है। समस्याओं की चर्चा करने वाले बहुत होते हैं। लेकिन समस्याओं का समाधान करने वाले बहुत कम। योगेश सिद्धार्थ और उनकी पत्नी सुमीता सिद्धार्थ, जिन्होंने चुपचाप एक दुर्लभ कार्य को अंजाम दिया है, वास्तव में प्रशंसा के पात्र हैं।

भारत-पाक तनाव पर राष्ट्रपति ट्रंप का नया दावा, आपरेशन सिंदूर के दौरान 5 लड़ाकू विमान गिराए गए

नई दिल्ली/वाशिंगटन। आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई मौकों पर दावा किया है कि उन्होंने इस जंग रुकवाई, उनकी वजह से सीजफायर हुआ। उन्होंने इस बार एक नया

दावा भी किया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हमने तो कई युद्ध रुकवाए हैं, ये कोई मामूली युद्ध नहीं है। राष्टपति ट्रंप ने कहा, भारत और पाकिस्तान के बीच में भी हालात बिगड़ चुके थे, बहुत गंभीर थे। विमान गिराए जा रहे थे। मेरा अनुमान है कि करीब पांच लड़ाकू विमान गिरे थे. ये दोनों ही परमाणु संपन्न देश हैं और एक दूसरे पर हमला कर रहे थे। अब यह कोई पहली बार नहीं है जब राष्टपति ट्रंप ने ऐसे दावे किए हों। हालांकि भारत इससे लगातार इनकार करता रहा है। अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक निजी रात्रिभोज में यह दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए संघर्ष में ÷पांच जेट विमान÷ हवा में मार गिराए गए।

एअर इंडिया एक्सप्रेस का हैदराबाद-फुकेत विमान लौट आया, उड़ान बाद लिया यू-टर्न

हैदराबाद। एअर इंडिया एक्सप्रेस की हैदराबाद से फुकेत जाने वाली एक उड़ान को शनिवार सुबह वापस लौटना पड़ा। विमान को उड़ान भरने के तुरंत बाद वापस हैदराबाद की ओर मोड़ दिया गया। उड़ान आईएक्स 110 ने सुबह 6।40 बजे हैदराबाद हवाई अड्डे से

उड़ान भरी थी। हालांकि, फ्लाइट ट्रैकिंग सेवा फ्लाइटरडार24 की मानें तो विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद वापस मुड़ गया और हैदराबाद लौट आया। उड़ान वापस लौटने से पहले केवल 16 मिनट तक हवा में रही। विमान वापस क्यों लौटा? इसका कारण पता नहीं चल सका है। एअर इंडिया एक्सप्रेस की ओर से आधिकारिक बयान का इंतजार है। इससे पहले उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर बुधवार को लखनऊ से दुबई जाने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट को तकनीकी खराबी आने की वजह से अंतिम समय में रद्द कर दिया गया था।

पीएम मोदी अगले हफ्ते यूके और मालदीव की यात्रा करेंगे, व्यापार समझौते पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर चार दिवसीय विदेश यात्रा पर जाएंगे। वे अगले सप्ताह ब्रिटेन और मालदीव की यात्रा करेंगे। इस दौरान व्यापार समझौते और रिश्तों को बढ़ावा देने पर फोकस किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा का पहला चरण 23-24 जुलाई को यूनाइटेड किंगडम होगा, जहां वे ऐतिहासिक भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (स्न्नञ्ज) पर हस्ताक्षर करेंगे। यह समझौता टैरिफ में कमी करके ब्रिटेन को होने वाले 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर असर पड़ेगा। इससे भारत को भी फायदा होगा और व्हिस्की और कारों

जैसे ब्रिटिश निर्यात सुगम होंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी 25-26 जुलाई को मालदीव की यात्रा करेंगे, जहां वे 60वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। मोहम्मद मुइज्जू सरकार के कार्यकाल में यह यात्रा इसलिए भी अहम है, क्योंकि यह मालदीव में कुछ नेताओं की ओर से भारत विरोधी बयानबाजी और अभियानों के कारण हाल ही में दोनों देशों के संबंधों में आए तनाव के बाद पहली बार हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी की पिछली मालदीव यात्रा जून 2019 में हुई थी। चीन के तियानजिन शहर में 25वां शिखर सम्मेलन होना है। इसके अगस्त में होने का प्रस्ताव है। इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अगले महीने प्रधानमंत्री मोदी भी चीन जा सकते हैं।

पीएम मोदी ने रेखा गुप्ता को दी जन्मदिन की बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को उनके 51वें जन्मदिन पर मुबारकबाद दी। प्रधानमंत्री ने रेखा गुप्ता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने मेहनत और लगन से ऊंचा मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा कि रेखा गुप्ता ने दिल्ली की भलाई के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। इस मौके पर कई केंद्रीय मंत्रियों और बीजेपी नेताओं ने भी रेखा गुप्ता को शुभकामनाएं दीं। बता दें कि रेखा गुप्ता ने अपना 51वां जन्मदिन हरियाणा में स्थित अपने पैतृक गांव नंदगढ़ में मनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं।

स्पेन में मुख्यमंत्री ने कहा ये बदलते दौर का भारत है

हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा मध्यप्रदेश: मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री ने कहा विरासत से विकास को लेकर भारत और स्पेन के विचार एक जैसे रहे हैं। भारतीय संस्कृति की विशिष्टता यही है कि विदेशों में बसे भारतीय आज भी अपनी मातृभूमि से गहराई से जुड़े हैं और स्पेन जैसे देशों में रहकर निरंतर प्रगति कर रहे हैं। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज विश्व की दृष्टि भारत की ओर केंद्रित है। भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी एक सशक्त पहचान स्थापित की है। मध्यप्रदेश, भारत का दिल है और मैं यहां आप सभी के साथ संबंधों की आत्मीयता और गहराई साझा करने आया हूं। स्पेन में बसे भारतीयों ने अपनी विशेष पहचान स्थापित की है। आप सभी भारत के एंबेसडर हैं। मध्यप्रदेश में हमारी सरकार ने उद्योगों को विशेष छूट देने के साथ सभी देनदारियों की पूर्ति की है। प्रदेश में उद्योगों के

लिए पर्याप्त लैंड बैंक है और सरकार सभी जरूरतें पूरी कर रही है।

उन्होने कहा कि मध्यप्रदेश हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। देश में सबसे तेजी से मेडिकल कॉलेज खोलने का कार्य मध्यप्रदेश में हुआ है। हमारी सरकार युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रगति के व्यापक अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है । मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों को सोलर पंप प्रदान करने का निर्णय लिया है, ताकि प्रदेश के किसान ग्रीन एनर्जी के माध्यम से सिंचाई कर सकें। हमारे यहां देश की सबसे सस्ती बिजली का उत्पादन हो रहा है, दिल्ली की मेट्रो तक मध्यप्रदेश की बिजली से संचालित हो रही है। इसके साथ ही प्रदेश सरकार निवेशकों के साथ किए गए प्रत्येक संकल्प को पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ पूरा कर रही है। हम सीधे एमओयू कर रहे हैं। मध्यप्रदेश हर क्षेत्र में संतुलित और समग्र विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। आयुष्मान कार्ड बनाने में मध्यप्रदेश, देश में सबसे आगे है। इसके साथ ही प्रदेश सरकार ने जरूरतमंदों के लिए एयर एंबुलेंस जैसी महत्वपूर्ण सुविधा भी उपलब्ध कराई है ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पेन में की निवेश, शिक्षा और सांस्कृतिक सहयोग की नई पहल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पेन यात्रा के तीसरे दिन बार्सिलोना में कैटलोनिया सरकार के विदेश मंत्री श्री जैम डच गुइलोट से भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश के प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थान आईआईटी इंदौर और ढ्ढढ्डस्श्वक्रभोपाल को बार्सिलोना के विश्वविद्यालयों से जोड़ते हुए अकादमिक और शोध सहयोग को बढ़ाने की बात कही। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश विश्वस्तरीय अनुसंधान और नवाचार केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

निवेश और औद्योगिक सहयोग के लिए आमंत्रण: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में कैटलोनिया की अग्रणी कंपनियों को मध्यप्रदेश में निवेश और तकनीकी सहयोग के लिए आमंत्रण दिया। उन्होंने प्रदेश की नई औद्योगिक नीति, मजबूत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और युवा शक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सही समय है जब यूरोपीय कंपनियाँ मध्यप्रदेश को अपने निवेश गंतव्य के रूप में देखें।

खेल, पर्यटन और संस्कृति में साझेदारी के नए आयाम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एफसी बार्सिलोना फाउंडेशन जैसे संगठनों के साथ मिलकर खेल, नेतृत्व और जीवन कौशल पर आधारित कार्यक्रमों की साझेदारी की संभावनाएं साझा कीं। साथ ही मध्यप्रदेश के विश्व धरोहर स्थलों साँची, खजुराहो और भीमबेटका को यूरोप में प्रमोट करने के लिए संयुक्त पर्यटन अभियान पर भी सहमति बनी।

तकनीकी सहयोग और नीति-स्तरीय समन्वय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्मार्ट सिटी, ग्रीन बिल्डिंग्स और शहरी परिवहन में कैटलोनिया की विशेषज्ञता का लाभ लेने के लिए तकनीकी सहयोग प्रस्तावित किया। उन्होंने दोनों सरकारों के बीच एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने की बात कही, जो प्रमुख परियोजनाओं की पहचान कर उन्हें लागू करने में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

वैश्विक मंच पर मध्यप्रदेश की सशक्त उपस्थिति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस मुलाकात को प्रदेश की वैश्विक रणनीति का महत्वपूर्ण पड़ाव बताया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश अब निवेश, शिक्षा, खेल और संस्कृति के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के लिए तैयार है, और स्पेन यात्रा प्रदेश के विकास में नए अध्याय जोड़ेगी।

बालाघाट में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़

कुछ माओवादियों के मारे जाने की सूचना, मुठभेड़ लांजी थाना क्षेत्र में छत्तीसगढ़ सीमा के पास बाघ नदी के किनारे झुलनापाठ में हुई सुरक्षाबल मौके पर तैनात हैं, सर्च ऑपरेशन जारी

बालाघाट एजेंसी। बालाघाट जिले लांजी थाना अंतर्गत मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सीमा से लगे झुलनापाठ के जंगल में शनिवार सुबह माओवादियों और सुरक्षा जवानों के बीच मुठभेड़ हुई है। इसमें कुछ माओवादियों के मारे जाने की सूचना आ रही है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने मुठभेड़ की घटना की पुष्टि की है। उन्होंने मुठभेड़ में माओवादियों के मारे जाने की बात से इनकार किया है, लेकिन ये स्पष्ट किया है कि जंगल में मुठभेड़ हुई है और मौके पर हाकफोर्स और कोबरा बटालियन के जवान तैनात हैं।

वहीं, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (बैहर) आदर्शकांत शुक्ला ने बताया कि मुठभेड़ शनिवार सुबह नौ बजे के आसपास शुरू हुई थी। दो-तीन घंटे के बाद मुठभेड़ रुक गई। फिलहाल सुरक्षा जवान इलाके की सर्चिंग कर रहे हैं। मुठभेड़ में माओवादी के मारे जाने की भी जानकारी सामने आ रही है, लेकिन पुलिस का कहना है कि अभी किसी भी माओवादी का शव नहीं मिला है। इसलिए मुठभेड़ में माओवादी मारे गए हैं या नहीं, ये शव मिलने के बाद ही स्पष्ट होगा।

14 जून को मारी गईं थीं चार हार्डकोर महिला माओवादी: बता दें कि 36 दिन पहले 14 जून को रूपझर थाना क्षेत्र के कटेझिरिया के जंगल में हाकफोर्स के जवानों ने चार हार्डकोर महिला माओवादियों को मार गिराया था। इसके बाद इस महीने हट्टा थाना क्षेत्र के ठाकुरटोला के नैनसिंह धुर्वे को पुलिस ने माओवादियों को विस्फोटक सामग्री उपलब्ध कराने के आरोप में गिरफ्तार किया था। इस मामले में पुलिस अब तक पांच संदेहियों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ कर चुकी है। हाकफोर्स और कोबरा बटालियन के जवान मौके पर तैनात है। आशंका है कि फायरिंग में कुछ माओवादियों जान बचाकर जंगल में भाग गए हैं। अभी कोई शव बरामद नहीं हुआ है, लेकिन यह बताया जा रहा है कि कई माओवादियों को इसमें गोली लगी है।

छत्तीसगढ़ से भागकर आने की आशंका: जिस इलाके में यह मुठभेड़ हुई वह छत्तीसगढ़ की सीमा के काफी करीब है, आशंका जताई जा रही है कि माओवादी वहीं से भागकर मध्य प्रदेश के बालाघाट में आए हैं। छत्तीसगढ़ में माओवादियों के खिलाफ सुरक्षाबलों का एक्शन लगातार जारी है। केंद्र सरकार ने अगले साल तक देश को माओवाद से मुक्त करने का निर्णय लिया है। ऐसे में मध्य प्रदेश में भी उनके छिपने के संभावित ठिकानों पर लगातार सर्चिंग की जा रही है।

सर्चिंग पर निकले थे जवान

जानकारी के मुताबिक हाकफोर्स और कोबरा बटालियन के जवान इलाके में सर्चिंग पर निकले थे। इसी दौरान वहां मौजूद माओवादियों ने गोलियां चलाना शुरू कर दी। बदले में जवानों ने भी डटकर उनका मुकाबला किया, इस दौरान कई माओवादी भागने पर मजबूर हो गए।

भ्रामक खबरों पर पायलट फेडरेशन का विदेशी मीडिया संस्थानों को कानूनी नोटिस

नई दिल्ली। अहमदाबाद में 12 जून को हुए विमान हादसे को लेकर विदेशी मीडिया की भ्रामक रिपोर्टिंग पर भारतीय पायलट संघ (एफआईपी) ने आपत्ति जताई है। एफआईपी ने द वॉल स्ट्रीट जर्नल और रॉयटर्स को कानूनी नोटिस भेजा है। नोटिस में दोनों संस्थानों से गलत रिर्पोटिंग के लिए माफी मांगने की मांग की गई है। भारतीय पायलट संघ (एफआईपी) के अध्यक्ष सीएस रंधावा ने बताया कि हमने कानूनी कार्रवाई शुरू की है। हमने द वॉल स्ट्रीट जर्नल और रॉयटर्स को उनकी रिपोर्टों पर एक नोटिस भेजा है। हमने उनसे माफी मांगने के लिए कहा है।

भारत में तेजी से बढ़ रही डॉक्टरों की संख्या, 2030 तक जनसंख्या पर बेहतर होगा अनुपात

नई दिल्ली। भारत में डॉक्टरों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का अनुमान है कि वर्ष 2030 तक देश का डॉक्टर-जनसंख्या अनुपात विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से भी बेहतर हो जाएगा। डब्लूएचओ का मानक 1000 की आबादी पर एक डॉक्टर का है। नेशनल मेडिकल काउंसिल के सूत्रों के अनुसार, 2024 के अंत तक भारत में

13.86 लाख पंजीकृत एलोपैथिक डॉक्टर थे। यह अनुमान लगाया गया है कि इनमें से लगभग 80त्न डॉक्टर सक्रिय रूप से कार्यरत हैं, जिससे सक्रिय एलोपैथिक डॉक्टरों की कुल संख्या 11.08 लाख बनती है। भारत में वर्तमान में एमबीबीएस की 1.20 लाख सीटें हैं। इस रफ्तार से 2024 से 2030 के बीच करीब 7.20 लाख नए डॉक्टर तैयार होंगे। हालांकि, इस अवधि में मेडिकल सीटों की संख्या बढ़ने से यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है।

बीजेपी ने जंगल अदाणी को समर्पित किए, बघेल उठा रहे थे मुद्दा, इसलिए पड़ी रेड प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र की गिरफ्तारी के बाद कहा कि ऐसे हथकंडों से सच को दबाना और विपक्ष को डराना नामुमकिन है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता बघेल के साथ मजबूती से खड़ा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले से जुड़े मनीलांड्रिंग मामले में शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, ÷भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ के सारे जंगल अदाणी जी को समर्पित कर दिए हैं।

मिल गया मलेरिया का तोड़, पहली भारतीय वैक्सीन तैयार

प्रोडक्शन के लिए प्राइवेट कंपनी के साथ डील करेगा आईसीएमआर

नई दिल्ली। बरसात के मौसम में डेंगू-मलेरिया की समस्या बढ़ जाती है। कई मामलों में इस बीमारी की चपेट में आने से इंसान का जीना भी मुश्किल हो जाता है। वहीं अब भारत में इस रोग के जल्दी खत्म होने की उम्मीद लगाई जा रही है. दरअसल भारतीय वैज्ञानिकों ने मलेरिया रोग के खिलाफ टीका तैयार किया है। भारतीय वैज्ञानिकों की ओर से मलेरिया रोग के खिलाफ पहली स्वदेशी वैक्सीन तैयार की गई है। ये टीका न केवल संक्रमण को रोकेगा बल्कि उसके फैलने पर भी रोक लगाने में सक्षम है। नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने प्राइवेट कंपनियों

के साथ इस वैक्सीन के प्रोडक्ळशन को लेकर डील करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आईसीएमआर ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि मलेरिया वैक्सीन की खोज पूरी हो गई है। इसे एडफाल्सीवैक्स नाम दिया गया है।

कितनी असरदार है वैक्सीन?

बता दें कि यह स्वदेशी वैक्सीन आईसीएमआर और भुवनेश्वर स्थित क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (आरएमआरसी) के रिसर्चर्स की ओर से मिलकर मिलकर तैयार की गई है। इसको लेकर आईसीएमआर के डायरेक्टर जनरल डॉक्टर राजीव बहल ने बताया कि मौजूदा वक्त में मलेरिया के 2 टीके उपलब्ध हैं। इनकी कीमत लगभग 800 रुपये प्रति खुराक है, हालांकि यह 33-67 प्रतिशत तक असरदार है।

एंटीबॉडी बनाती है वैक्सीन

मलेरिया के इस स्वदेशी टीके पर फिलहाल प्री क्लिनिकल वैलिडेशन हुआ है। इसे ढ्ढष्टरूक्र के नई दिल्ली स्थित नेशनल मलेरिया रिसर्च इंस्टीट्यूट और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी (एनआईआई) के साथ मिलकर पूरा किया गया है। आरएमआरसी के सीनियर साइंटिस्ट डॉक्टर सुशील सिंह का कहना है कि भारत की यह स्वेदेशी वैक्सीन संक्रमण को रोकने वाले ताकतवर एंटीबॉडी बनाता है।

ईडी ने गूगल और मेटा को पूछताछ के लिए बुलाया

सट्टेबाजी एप्स को प्रमोट करने का आरोप

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को टेक दिग्गज गूगल और मेटा (फेसबुक) को समन जारी किया है। ईडी की यह कार्रवाई अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी एप्स के मामले में की जा रही जांच का हिस्सा है। दोनों कंपनियों को 21 जुलाई को पूछताछ के लिए तलब किया गया है। ईडी का कहना है कि गूगल और मेटा ने उन ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स को प्रसार और प्रचार के लिए प्लेटफॉर्म प्रदान किया, जो फिलहाल मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला लेनदेन जैसे गंभीर आर्थिक अपराधों के मामलों में जांच के घेरे में हैं। इन कंपनियों पर यह आरोप है कि उन्होंने इन ऐप्स से जुड़ी वेबसाइट्स को प्रमुख विज्ञापन स्लॉट दिए, जिससे इनकी पहुंच और लोकप्रियता तेजी से बढ़ी

और ये अवैध ऑपरेशन्स पूरे देश में फैल गए। ईडी की अब तक की जांच के अनुसार, ये सट्टेबाजी एप्स खुद को स्किल बेस्ड गेमिंग प्लेटफॉर्म बताते हैं, लेकिन असल में इनमें अवैध जुआ चलाया जा रहा था। ये प्लेटफॉर्म करोड़ों की काली कमाई कर रहे थे, जिसे हवाला चैनलों के ज़रिए देश से बाहर भेजा जाता था।

ईडी ने हाल ही में 29 सेलिब्रिटीज और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें नामी कलाकार जैसे प्रकाश राज, राणा दग्गुबाती और विजय देवरकोंडा शामिल हैं। आरोप है कि उन्होंने इन ऐप्स का प्रचार कर के भारी रकम कमाई। महादेव एप का घोटाला 6,000 करोड़ से अधिक का आंका जा रहा है। इसमें कई बॉलीवुड सेलेब्रिटीज से पूछताछ हो चुकी है। ईडी का दावा है कि छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को इस एप के प्रमोटर्स से 500 करोड़ की रकम मिली थी। एक अन्य बड़ा मामला फेयर प्ले आईपीएल बीटिंग एप का है, जिसने आईपीएम मैचों की अवैध स्ट्रीमिंग की और ऑनलाइन सट्टेबाजी को बढ़ावा दिया। इससे आधिकारिक ब्रॉडकास्टर वायकॉम18 को भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

मंगल पांडेय की जयंती

(19.07.1827 - 08.04.1857)

आजादी की लड़ाई का पहली बार शंखनाद करने वाले अमर शहीद को नमन

आज यानी 19 जुलाई को देश में आजादी की लड़ाई का पहली बार शंखनाद करने वाले अमर शहीद मंगल पांडेय की जयंती है। आज का दिन इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए सुनहरे अक्षरों में लिख दिया गया है। मंगल पांडेय का जन्म 19 जुलाई 1827 को उत्तर प्रदेश के बलिया में हुआ था। मंगल पांडेय का जन्म एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ क्रांति की शुरुआत की थी और 29 मार्च 1857 को बैरकपुर में अंग्रेजों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया था। हालांकि वह पहले ईस्ट इंडिया कंपनी में एक सैनिक के तौर पर भर्ती हुए थे लेकिन ब्रिटिश अफसरों की भारतीयों के प्रति क्रूरता को देखकर उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ मोर्चा खोल लिया था। मंगल पांडेय कलकत्ता की बैरकपुर छावनी में 34वीं बंगाल नेटिव इंफैंट्री की पैदल सेना के सिपाही नंबर 1446 थे। अंग्रेजी अफसरों पर गोली चलाने और हमला करने के आरोप में मंगल पांडेय को फांसी की सजा सुनाई गई थी, लेकिन तय तिथि से दस दिन पहले ही उन्हें फांसी दे दी गई।

बैरकपुर के सभी जल्लादों ने फांसी देने से किया इनकारः 18 अप्रैल 1857 को मंगल पांडेय को फांसी दी जानी थी, ऐसा कहा जाता है कि बैरकपुर के सभी जल्लादों ने मंगल पांडेय को फांसी देने से इनकार कर दिया था। जल्लादों ने अपने हाथ मंगल पांडेय के खून से न रंगे जाने की बात कहते हुए फांसी देने से इनकार किया था। इसके बाद ब्रिटिश सरकार ने कलकत्ता (कोलकाता) से चार जल्लादों को बुलाया। मंगल पांडेय की फांसी की खबर सुनने के बाद कई छावनियों में ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ गुस्सा भड़क गया, जिसे देखते हुए ब्रिटिश राज ने मंगल पांडेय को फांसी 18 अप्रैल को न देकर दस दिन पहले आठ अप्रैल को ही दे दी।

राजेश नारायण श्रीवास्तव (एडवोकेट)

छात्राओं को दिखाई गई फिल्म सितारे ज़मीन पर

संत हिरदाराम नगर। नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल द्वारा विद्यार्थियों के सामाजिक, नैतिक और भावनात्मक विकास को केंद्र में रखते हुए एक प्रेरणादायक पहल की गई। इसी कड़ी में कक्षा सातवीं की छात्राओं और कक्षा आठवीं की छात्राओं को बंसल वन सिनेप्लेक्स ले जाया गया, जहाँ उन्हें आमिर खान द्वारा निर्देशित भावनात्मक फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' दिखाई गई। यह फिल्म उन बच्चों की संघर्षपूर्ण यात्रा को सामने लाती है, जो पारंपरिक शिक्षा-पद्धति में पिछड़ जाते हैं, परंतु जिनके भीतर अनोखी प्रतिभा और रचनात्मकता छिपी होती है। इस फिल्म के माध्यम से छात्राओं को यह समझाने का प्रयास किया गया कि हर व्यक्ति अपनी विशिष्टताओं सहित मूल्यवान है।

लायन्स क्लब भोपाल साउथ ने माधुरी आयाम एजुकेशन एवं वेलफेयर सोसाइटी को दिया स्मार्ट टीवी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

लायन्स क्लब भोपाल साउथ ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए माधुरी आयाम एजुकेशन एवं वेलफेयर सोसायटी को एक 32 इंच स्मार्ट टीवी दान किया है। यह दान सोसायटी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है, जिससे वे अपने शैक्षिक और कल्याणकारी कार्यक्रमों में इसका उपयोग कर सकें. लायन्स क्लब भोपाल साउथ के सदस्यों ने एकत्रित राशि से यह दान किया है, जो उनके सामूहिक प्रयासों और सामाजिक सरोकारों का प्रतीक है। माधुरी आयाम एजुकेशन एवं वेलफेयर सोसायटी दिव्यांग छात्रों के लिए काम करती है और उन्हें शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास में भी मदद करती है । इस दान के माध्यम से सोसायटी के छात्र अब स्मार्ट टीवी के माध्यम से विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों और संसाधनों का लाभ उठा सकेंगे, जिससे उनकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। लायन्स क्लब भोपाल साउथ की इस पहल का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों की मदद करना और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने में योगदान देना है.

लायन्स क्लब भोपाल साउथ और माधुरी आयाम एजुकेशन एवं वेलफेयर सोसायटी के बीच इस तरह के सहयोग से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद मिलेगी और दोनों संस्थाओं के प्रयासों को नई दिशा मिलेगी ।

।। शुभ श्रावण मास ।।

(शिव तत्व विचार)

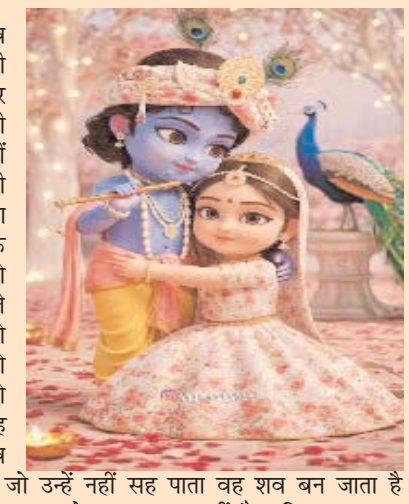

भगवान शिव गले में सर्पों की माला पहनते हैं पर कभी भी अपनी शांति का त्याग नहीं करते हैं। सर्पों की माला धारण करना अर्थात् अनेक कठिनाइयों को अपने ऊपर ले लेना। जीवन है तो मुश्किलें तो आयेंगी, बस जो उन्हें हँसके सह लेता है, वह शिव बन जाता है और जो उन्हें नहीं सह पाता वह शव बन जाता है। मुश्किलों का समाधान उनसे मुकर जाना नहीं है अपितु मुस्कुराकर सामना करने में है। विषम घड़ी में आप अपने चेहरे पर मुस्कान लाने की हिम्मत जुटा पाते हैं तो फिर आपकी आंतरिक शांति भंग करने की सामर्थ्य किसी में नहीं है। भगवान शिव के गले में सर्पों की माला हमें यह सन्देश देती है, कि मुश्किलें तो किसी को भी नहीं छोड़ती बस आप अपनी हिम्मत और मुस्कान कभी मत छोड़ना। गले में विषमता के विषधर होने के बावजूद भी आनंद और प्रसन्नता में जीना भगवान महादेव के जीवन से सीखना चाहिए।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा का स्थापना दिवस मनाया गया

भोपाल। बैंक ऑफ़ बड़ौदा का 118वास्थापना दिवस रोशनपुरा चौराहे वाली शाखा में उत्साह के साथ मनाया गया स्थापना दिवस का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर बैंक ऑफ़ बड़ौदा के संस्थापक संभाजी राव कापूस मालाओं से सम्मान किया गया इस अवसर पर मुख्य प्रबंधक देवेंद्र राजपूत सेवानिवृत्ति स्टाफ ग्राहक तथागणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नगर निगम की मीटिंग 24 जुलाई को

ओल्ड अशोका गार्डन का नाम बदलकर राम बाग होगा, चौराहा-घाटों के प्रस्ताव भी आएंगे

भोपाल। पुराने शहर स्थित ओल्ड अशोका गार्डन का नाम बदलकर राम बाग होगा, जबकि विवेकानंद पार्क के पास चौराहे का नाम विवेकानंद चौक किया जाएगा। ये दोनों ही प्रस्ताव नगर निगम परिषद की मीटिंग में रखे जाएंगे। बैठक 24 जुलाई को सुबह 11 बजे से आईएसबीटी स्थित निगम ऑफिस में होगी। इसका एजेंडा तय हो गया है। बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी में 4.45 करोड़ रुपए से कुंड बनाया जाएगा। इसमें शेड, मॉनिटरिंग टॉवर, रिटेनिंग वॉल, पॉथ-वे, बाउंड्रीवॉल, हार्टिकल्चर ड्रेन कलवर्ट, इलेक्ट्रिफिकेशन एवं इंट्रेस गेट होंगे। इसी तरह नीलबड़ में 6.01 करोड़ रुपए, संजीव नगर में 4.77 करोड़ रुपए, मालीखेड़ा में 2.49 करोड़ रुपए और प्रेमपुरा में 7.34 करोड़ रुपए से कुंड बनाए जाएंगे। वार्ड-69 के पार्षद सूर्यकांत गुप्ता ने ओल्ड अशोका गार्डन का नाम बदले जाने का प्रस्ताव दिया है। 26 मई-24 को पुराना अशोका गार्डन सुधार समिति ने साधारण सभा के बाद ओल्ड अशोका गार्डन का नाम राम बाग करने का प्रस्ताव दिया था। 80 फीट रोड स्थित विवेकानंद पार्क, अशोका गार्डन के पास चौराहे का नाम विवेकानंद चौक करने का प्रस्ताव आएगा। यह प्रस्ताव भी पार्षद गुप्ता ने दिया था। चौराहे की पहचान के लिए रहवासी नवीन नामकरण की मांग कर रहे थे।

शहर सरकार को घेरने की तैयारी में विपक्ष- विपक्ष शहर सरकार को घेरने की तैयारी में है। नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने बताया कि बैठक में सड़क, पानी समेत कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। दूसरी ओर लगातार बैठक देरी से होने का मुद्दा भी उठाया जाएगा। कांग्रेस पार्षद योगेंद्र सिंह चौहान गुड्डू ने बताया कि दीनदयाल रसोई में 5 रुपए में खाना मिल रहा है। दूसरी ओर, टॉयलेट्स के रेट बढ़ाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया, पिछले दिनों एमआईसी की बैठक हुई थी। इसमें सुलभ इंटरनेशनल ने 25 स्थानों पर संचालित सार्वजनिक शौचालय में उपयोगकर्ता शुल्क दर 6 से बढ़ाकर 10 रुपए किए जाने की मंजूरी चाही थी। एमआईसी ने इस प्रस्ताव को पास कर दिया था। इसके बाद से ही कांग्रेस विरोध कर रही है।

मेडिकल स्टूडेंट्स को दी विस्तृत जानकारी

भोपाल । गांधी मेडिकल कॉलेज और इंडियन मेडिकल आर्म्ड फॉर्स के संयुक्त तत्वाधान में आउटरीच प्रोग्राम विथ आर्म्ड फॉर्स फॉर मेडिकल स्टूडेंट्स आयोजित किया गया। जिसमें शौर्यचक्र विजेता कर्नल अरीबन डेका मिलिट्री हॉस्पिटल भोपाल द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की जरूरत क्यों पड़ी की जानकारी दी गई। ए श्रीनिवासन, कमांडेंट मिलिट्री हॉस्पिटल भोपाल द्वारा आर्म्ड फॉर्स मेडिकल कॉर्प में मेडिकल स्टूडेंट्स के लिए अवसर पर विस्तृत जानकारी दी है। इस आयोजन में अधिष्ठाता डॉ कविता एन सिंह मैडम का विशेष मागदर्शन प्राप्त हुआ। डॉ जे एल मार्को, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष द्वारा कॉर्डिनेट किया गया। सफ़ल और सार्थक आयोजन के लिए सभी का सहयोग मिला ।

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने आयोजित किया कार्यक्रम

भोपाल। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश द्वारा #ECHOIndia के सहयोग से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाना रहा, जिससे वे महत्वपूर्ण ज्ञान और व्यावहारिक कौशल से समृद्ध होकर समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर सकें। समापन समारोह में डॉ. सलोनी सिडाना, मिशन निदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, डॉ. प्रभाकर तिवारी, वरिष्ठ संयुक्त निदेशक सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर बोलते हुए मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाता गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को अंतिम छोर तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी हितग्राही न छूटे। अपने समर्पण और सेवाभाव से, वे न केवल हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की नींव को मज़बूत करते हैं, बल्कि स्वास्थ्य परिणामों और समग्र सामुदायिक कल्याण पर भी स्थायी प्रभाव डालते हैं।इसी दृष्टिकोण के अनुरूप, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्य प्रदेश ने #ECHOIndia के सहयोग से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया। इस पहल का उद्देश्य अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण ज्ञान, व्यावहारिक कौशल और आत्मविश्वास से लैस करना है ताकि वे अपने क्षेत्र के हितग्राहियों की बेहतर सेवा कर सकें। भोपाल में आयोजित प्रसार बैठक नें प्रशिक्षकों, प्रतिभागियों और गणमान्य व्यक्तियों के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान किया, जहाँ उन्होंने विचारों का आदान-प्रदान किया।

भोपाल प्रेस क्लब ने वरिष्ठ पत्रकार अरुण पटेल और अजय बोकिल का जन्मदिन मनाया

भोपाल। भोपाल प्रेस क्लब के तत्वावधान में वरिष्ठ पत्रकार अरुण पटेल और अजय बोकिल का जन्मदिन इंडियन कॉफी हॉउस में मनाया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार सतीश सक्सेना, नासिर हुसैन, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रवेश विजयवर्गीय, भोपाल प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजय सक्सेना, सचिव विजय शर्मा, ब्रजेन्द्र तिवारी, जगत बहादुर सिँह, गोपाल जैन सहित अन्य साथी मौजूद रहे।

वार्ड 26 सूरज नगर में नहीं हो रही साफ सफाई, रहवासियों में रोष

भोपाल। वार्ड नंबर 26 सूरज नगर में जगह-जगह गंदगी और कचरे से आम जनता परेशान स्थानी निवासी प्रमोद पटेल द्वारा बताया गया वार्ड 26 में नगर निगम एच ओ एवं दरोगा द्वारा साफ सफाई में अत्यधिक लापरवाही कर रहे हैं जिससे स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों होने की संभावना है गंदगी को लेकर पूरा वार्ड 26 चिंतित हैं एचो एवं दरोगा को कई पर दूरभाष से शिकायत की जा रही है परंतु वह समस्या का निदान नहीं कर रहे है ओर दादागिरी करते हे नगर निगम के वाहन से भूतेश्वर शमशान घाट में जबरदस्ती कचरा डलवा रहे इसकी शिकायत कई बार पार्षद विधायक को भी की है लेकिन कोई भी सुनने को तैयार नहीं।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को अहमदाबाद में मिला पुरस्कार

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर, भोपाल स्थित सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को इस वर्ष का सामुदायिक नेत्र स्वास्थ्य पुरस्कार प्रदान किया गया है। एक लाख रूपए राशि का यह पुरस्कार नीमच के जी.डी अग्रवाल गोमाबाई नेत्रालय द्वारा प्रायोजित किया गया है, जो प्रतिवर्ष किसी एक नेत्र चिकित्सा संस्थान को उसके सेवा कार्यों और अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के कार्यान्वयन में उल्लेखनीय सेवाएं देने पर दिया जाता है। सम्मान समारोह में अन्तर्राष्ट्रीय एन.जी.ओ विजन 2020: राइट टु साइट के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजेश सैनी, उपाध्यक्ष यशवंत सिंहा, सचिव प्रो. प्रवीण वशिष्ट एवं कुलदीप सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। सेवा सदन से प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी साधवानी, मेडिकल डायरेक्टर डॉ. प्रेरणा उपाध्याय ने यह पुरस्कार लिया।

स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा के लिए पारे युक्त उपकरणों पर रोक की ज़रूरत

कार्यशाला में बोले विशेषज्ञ, दी सलाह

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

लोगों और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए पारे युक्त चिकित्सा उपकरणों जैसे थर्मामीटर और रक्तचाप मापक यंत्र के उपयोग को पूरी तरह बंद करने की अपील आज उपभोक्ता संगठनों, सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों, सरकारी अधिकारियों, नागरिक समाज संगठनों और पर्यावरणविदों द्वारा की गई। यह अपील कंज़्यूमर वॉयस और नेशनल सेंटर फ़ॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट द्वारा आयोजित एक कार्यशाला के दौरान की गई, जिसमें घरेलू स्तर पर खासकर बच्चों और महिलाओं में पारे के दुष्प्रभाव और मिनामाटा कन्वेंशन में भारत की प्रतिबद्धता पर चर्चा हुई। पारे युक्त उपकरण, जब तक टूटे नहीं होते, सुरक्षित माने जाते हैं। लेकिन एक बार टूटने या गलत तरीके से फेंके जाने पर, पारा वाष्पित होकर जहरीली गैस के रूप में वातावरण में फैलता है, जो श्वसन या त्वचा के संपर्क से मानव स्वास्थ्य के लिए घातक हो सकता है। इससे फेफड़े, गुर्दे और तंत्रिका तंत्र को नुकसान हो सकता है। पारा वातावरण, मिट्टी और जल को प्रदूषित कर खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर सकता है और व्यापक जनसंख्या को प्रभावित कर सकता है। टॉक्सिक्स लिंक की 2011 की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति वर्ष लगभग 8 टन पारा चिकित्सा मापन उपकरणों से निकलता है, जिसमें से 69त्न स्फिग्मोमैनोमीटर के गलत निपटान से आता है। डॉ. प्रदीप नंदी, निदेशक, ह्ष्टाास्थ्र, ने कहा, ÷भारत, मिनामाटा कन्वेंशन का हस्ताक्षरकर्ता है और उसने चिकित्सा उपकरणों से पारे को चरणबद्ध तरीके से हटाने की प्रतिबद्धता जताई है। यह अंतरराष्ट्रीय समझौता मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को पारे के उत्सर्जन और रिसाव से बचाने के लिए है।÷ विश्व स्वास्थ्य संगठनने पारे को शीर्ष 10 सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरनाक रसायनों में शामिल किया है। कम मात्रा में भी यह तंत्रिका, पाचन और प्रतिरक्षा तंत्र को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है, खासकर बच्चों में। पर्यावरण में छोड़ा गया पारा मिथाइल मर्क्युरी में बदल जाता है, जो अत्यधिक जहरीला होता है और खाद्य श्रृंखला में संचित होकर सबसे अधिक नुकसान गर्भस्थ और नवजात बच्चों को पहुंचाता है। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण मंडल के वैज्ञानिक डॉ. पी. के. श्रीवास्तव ने कहा, ÷हमें पारे के रिसाव को रोकने के लिए अस्पतालों के साथ-साथ घरों में भी सख्त प्रबंधन प्रोटोकॉल अपनाने चाहिए और पारे रहित डिजिटल विकल्पों की ओर बढ़ना चाहिए। आज की जिम्मेदारी, आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा है। डॉ. ए. के. चौधरी, चिकित्सा निदेशक, जे. के. हॉस्पिटल, भोपाल ने कहा महिलाओं और गर्भस्थ शिशुओं के लिए पारे का संपर्क जानलेवा हो सकता है। पारे युक्त थर्मामीटर और बीपी मशीन को हटाकर डिजिटल उपकरणों को अपनाना न केवल जीवन रक्षक है, बल्कि यह पर्यावरण की भी रक्षा करता है। अन्य वक्ताओं में डॉ. नलिनी मिश्रा (डीन, एलएन सिटी यूनिवर्सिटी), डॉ. अजीत सोनी (रजिस्ट्रार, एलएन सिटी), और डॉ. सरला मेनन (मेडिकल सुपरिटेंडेंट, जे. के. हॉस्पिटल) शामिल थीं। सभी ने डिजिटल विकल्पों की ओर संक्रमण और कचरा प्रबंधन प्रणालियों को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। कंज़्यूमर वॉयस की प्रोजेक्ट हेड (फूड एंड न्यूट्रिशन), नीलांजना बोस ने कहा, डिजिटल उपकरण न केवल सटीक हैं, बल्कि सुलभ और किफायती भी हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र ने इसकी शुरुआत कर दी है – अब हर घर को इन उपकरणों को अपनाना चाहिए। कार्यशाला का समापन इस स्पष्ट संदेश के साथ हुआ÷ पारे युक्त चिकित्सा उपकरणों को हटाना और उपभोक्ताओं को जागरूक करना, मानव स्वास्थ्य की रक्षा और हमारे साझा पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जे के हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर में आयोजित इस कार्यशाला में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की वन-टू-वन बैठकों से खुले वैश्विक निवेश के नए द्वार

टेक्नोलॉजी, टेक्सटाइल से लेकर औद्योगिक ट्रांसफॉर्मेशन पर हुई निवेश वार्ता

विश्वस्तरीय कंपनियों ने जताई मध्यप्रदेश में निवेश की गहरी रुचि

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बार्सिलोना प्रवास के तीसरे दिन विश्व की अग्रणी कंपनियों के शीर्ष पदाधिकारियों से वन-टू-वन मुलाकात कर मध्यप्रदेश में निवेश, तकनीकी सहयोग और रोजगार के नए अवसरों को लेकर विस्तृत चर्चा की। सेनेटरीवेयर, वस्त्र, स्वास्थ्य सेवाएं, डाटा सेंटर, एनीमेशन, ब्रांडिंग और मीडिया नीति जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी वैश्विक कंपनियों ने मध्यप्रदेश में निवेशकों की संभावनाओं को लेकर गंभीर रुचि प्रदर्शित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सबसे पहले स्पेन की अग्रणी सेनेटरीवेयर कंपनी रॉका ग्रुप (ऋश्ष्ठु त्नह्श्नह्वश्च) के कॉर्पोरेट संचालन निदेशक श्री पाउ अबेलो से भेंट की। इस दौरान देवास स्थित कंपनी की इकाई 'रॉका बाथरूम प्रॉडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड' द्वारा किए गए ?164.03 करोड़ के निवेश और 445 लोगों को दिए गए रोजगार पर संतोष व्यक्त किया गया। कंपनी ने मध्यप्रदेश में अपनी इकाई के विस्तार और विविधीकरण की योजना भी साझा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की वस्त्र क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हेलोटेक्स ग्रुप के मालिक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री जोर्डी बोनारो ट्रियोलार्ट से भेंट हुई। कंपनी पहले से ही इंदौर स्थित 'प्रतिभा सिंटेक्स लिमिटेड' के साथ साझेदारी में कार्यरत है। बैठक में वस्त्र उद्योग के विस्तार और निवेश प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाने पर चर्चा हुई। अमेक के निदेशक एलेजांद्रो गैलेगो अल्काइडे से मुलाकात में राज्य की वैश्विक ब्रांडिंग, मीडिया एनालिटिक्स, एआई आधारित संचार रणनीतियों और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मध्यप्रदेश की पहचान को सशक्त करने की दिशा में सहयोग की सहमति बनी। एसएसएल-कोटिंग्स (पावर सॉइल) के प्रतिनिधि श्री जोफ विशेप के साथ हुई बैठक में टिकाऊ सड़क निर्माण तकनीक ÷टेरा-3000÷ के उपयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई, जो विशेष रूप से ग्रामीण सड़कों, नींव और सख्त मिट्टी में उपयोगी है। इस समाधान के माध्यम से पारंपरिक निर्माण सामग्रियों की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित होता है। सोगो समूह के श्री सतीश रायसिंघानी के साथ बातचीत में भारत और विशेष रूप से मध्यप्रदेश में एसओजीओ ब्रांड के उत्पादों के विस्तार की संभावनाएं तलाशी गईं। एसओजीओ घरेलू उपकरणों और इलेक्ट्रॉनिक्स का एक मजबूत यूरोपीय ब्रांड है, जो भारतीय उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए अपने उत्पादों की पहुँच बढ़ाना चाहता है।

सर्विटाइज के सीईओ श्री मार्क विंटर के साथ बैठक में औद्योगिक परामर्श, डिजिटल परिवर्तन और ग्राहक अनुभव आधारित समाधानों पर चर्चा हुई। यह कंपनी सेवा-आधारित व्यापार मॉडल के जरिये उद्यमों की दक्षता बढ़ाने में विशेषज्ञता रखती है और मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेक्टर को स्मार्ट मॉडल से जोड़ने में रुचि रखती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की नॉर्सेक ग्लोबल के निवेशकों के साथ भी सार्थक चर्चा हुई। स्पोर्ट्सफन टीवी एस.एल. के सह-संस्थापक श्री सिद्धार्थ तिवारी से हुई बैठक में मध्यप्रदेश में फुटबॉल खेल के विकास हेतु प्रतिभा खोज, प्रशिक्षण शिविरों और अकादमियों की स्थापना के माध्यम से सहयोग की संभावनाएँ तलाशी गईं। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी झारखंड सरकार के साथ पहले से इस दिशा में कार्यरत है और अब मध्यप्रदेश में भी इसी तरह की पहल को लेकर गंभीर है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों के समक्ष राज्य की निवेश-अनुकूल नीतियों का विस्तार से उल्लेख करते हुए बताया कि मध्यप्रदेश में उद्योगों के लिए आवश्यक भूमि, जल, ऊर्जा और मजबूत आधारभूत संरचना सहज रूप से उपलब्ध है। उन्होंने राज्य की उत्कृष्ट लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी, दक्ष मानव संसाधन, सुगम और पारदर्शी प्रशासनिक प्रक्रियाओं तथा 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' में हासिल उल्लेखनीय उपलब्धियों को भी प्रमुखता से प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि मध्यप्रदेश निवेश के लिए एक सुरक्षित, स्थिर और समर्थ राज्य है, जो वैश्विक कंपनियों के लिए दीर्घकालिक सहयोग के द्वार खोलता है।

मर्काबार्ना का समग्र मॉडल मध्यप्रदेश के लिये प्रेरणादायक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बार्सिलोना स्थित मर्काबार्ना का समग्र मॉडल मध्यप्रदेश के लिए उपयोगी हो सकता है। मध्यप्रदेश में बढ़ते कृषि उत्पादन को देखते हुए बेहतर 'पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट' और निर्यात प्रणाली की आवश्यकता है।स्पेन प्रवास के तीसरे दिन मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मर्काबार्ना के भ्रमण के दौरान यह बात कही। यह संस्थान 250 एकड़ में फैला हुआ यूरोप का प्रमुख फूड लॉजिस्टिक्स हब है, जहाँ उत्पादन, भंडारण, प्रोसेसिंग और वितरण की व्यवस्थाएं एकीकृत रूप से संचालित होती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज मध्यप्रदेश को सिर्फ उत्पादन की नहीं, बल्कि कटाई के बाद मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण, भंडारण, और वैश्विक बाज़ारों तक पहुँच की भी चुनौती है। इस दिशा में मर्काबार्ना का अनुभव एक मॉडल के रूप में सामने आता है, जिससे प्रेरणा लेकर प्रदेश के खाद्य उत्पादकों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जा सकता है। मर्काबार्ना के सीईओ ने मध्यप्रदेश के प्रति रूचि जताई। मर्काबार्ना के सीईओ पाब्लो विल्लानोवा ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिवादन करते हुए कहा कि भारत और स्पेन के बीच कृषि लॉजिस्टिक्स, फूड प्रोसेसिंग और मार्केट इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में मजबूत सहयोग की संभावनाएं हैं।

उन्होंने मध्यप्रदेश के प्रति विशेष रुचि और भविष्य में द्विपक्षीय ज्ञान साझेदारी पर सहमति जताई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'फार्म-टू-फोर्क' मॉडल, कोल्ड चेन प्रणाली, गुणवत्ता नियंत्रण, ट्रेसेबिलिटी और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में मर्काबार्ना द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रक्रियाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में विकसित किए जा रहे मेगा फूड पार्क, एग्रीबिजनेस क्लस्टर और ग्रामीण उद्योग केंद्रों में इन नवाचारों को समाहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मर्काबार्ना में संचालित फूड बैंक, जीरो वेस्ट मैनेजमेंट प्रणाली और फूड-टेक स्टार्टअप्स के लिए तैयार किए गए इनक्यूबेशन मॉडल का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्थाएं मध्यप्रदेश में नवाचार-आधारित कृषि नीति को मजबूती देंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में गेहूं, चावल, फल, सब्जियों और प्रोसेस्ड फूड के निर्यात की असीम संभावनाएं हैं। मर्काबार्ना जैसे केंद्रों से प्रेरणा लेकर मध्यप्रदेश में पोस्ट-हार्वेस्ट लॉस को कम करते हुए अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता के अनुरूप उत्पादों का निर्माण किया जाएगा।

वैराग्यानंद गिरी महाराज ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को लिखा पत्र

परमानंद गिरी महाराज व ज्योतिर्मयानंद गिरी की गतिविधियों की उच्च स्तरीय जांच की मांग

भोपाल। पंचायती श्रीनिरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद गिरी महाराज ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर संत परमानंद गिरी महाराज और उनके शिष्य ज्योतिर्मयानंद गिरी द्वारा संत परंपरा, धार्मिक संस्थाओं और जनकल्याण योजनाओं के दुरुपयोग से संबंधित मामलों की सीबीआई या स्वतंत्र एसआईटी से उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। स्वामी वैराग्यानंद गिरी महाराज ने अपने पत्र में लिखा है कि उक्त व्यक्तियों द्वारा संन्यास धर्म की मर्यादा के विपरीत पारिवारिक वंश परंपरा को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अलावा संत समाज की आड़ में संगठित अपराधों को संरक्षण देना, कई साधुओं की रहस्यमयी मृत्यु में संदिग्ध भूमिका, बालिकाओं और मानसिक रूप से कमजोर बच्चों की संदिग्ध मौतों में संलिप्तता, तांत्रिक क्रियाओं से विरोधी संतों को हटाने के प्रयास, सरकारी संस्थानों से आर्थिक लाभ लेकर वित्तीय अनियमितताएँ, गुंडागर्दी से धार्मिक ट्रस्टों और आश्रमों की संपत्तियों पर कथित कब्जा, जैसे गंभीर और शर्मनाक आरोप सामने आए हैं। स्वामी वैराग्यानंद गिरी महाराज ने अपने पत्र में लिखा है कि उज्जैन चारधाम मंदिर अखंड आश्रम को ज्योतिर्मयानंद ने गुंडागर्दी के बल पर हड़प लिया है। इसी प्रकार उप्र के जिला उरई में नित्यराम के आश्रम पर कब्जा, हरिद्वार में रातो रात बालानंद गिरी महाराज की हत्या, दिल्ली दिसाथ गार्डन में महामंडलेश्वर अनूभूतानंद महाराज की हत्या, चित्रकूट में जगत त्यागी प्रकाश की रहस्यमी तरीके से हत्या में ज्योतिर्मयानंद गिरी की संलिप्तता का पता चला है।

पत्र में स्वामी वैराग्यानंद गिरी ने स्पष्ट रूप से लिखा है कि यदि समय रहते ऐसे तत्वों पर कठोर कार्यवाही नहीं हुई तो संत समाज की गरिमा और आम जन की धार्मिक आस्था को गहरा आघात पहुँचेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि इन मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही अखाड़ा परिषद और अन्य धर्माचार्य संगठनों से भी अपील की कि वे ऐसे कथित साधुओं को धार्मिक पदों से तत्काल हटाएं ताकि संन्यास परंपरा की गरिमा अक्षुण्ण बनी रहे।

मध्यप्रदेश भवन में हुई मैहर बैंड की सांस्कृतिक संध्या

भोपाल। मध्यप्रदेश भवन में शुक्रवार को आवासीय आयुक्त श्रीमती रश्मि अरुण शमी के मुख्य आतिथ्य में सांस्कृतिक संध्या में मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध मैहर बैंड की प्रस्तुति दी गई। मैहर बैंड की प्रस्तुति में जल तरंग वादन में श्री सौरभ कुमार चौरसिया, वायलिन में श्री गोकर्ण प्रसाद पांडे, हारमोनियम में श्री गौतम भारती, सरोद-वादन में श्री बृजेश कुमार द्विवेदी, तबला-वादन में डॉ. अशोक कुमार बाड़ोलिया और सारंगी पर श्री मोहम्मद अहमद खान ने संगत दी। बैंड द्वारा विभिन्न शास्त्रीय राग और लोकधुनों की प्रस्तुति दी गयी। आवासीय कला संस्था आर्ट ईचौल मैहर की संस्थापक श्रीमती अंबिका बैरी ने संस्था द्वारा दिए जा रहे सिरेमिक, काष्ठ, मेटल और पत्थर शिल्प-कला प्रशिक्षण और फैलोशिप पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मैहर जिले के ग्राम महेदर के गीताजंली इंटरनेशनल के डेलास ब्रांड द्वारा जिले के ओडीओपी टमाटर के प्रसंस्कृत उत्पादों में सॉस, कैचअप, प्यूरी और चटनी प्रदर्शित और विक्रय की गई। मैहर के शारदा माता के प्रसाद के साथ मृगनयनी और विंध्य हर्बल्स के उत्पादों पर 10 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान की गई। कार्यक्रम में नई दिल्ली में पदस्थ मध्यप्रदेश शासन के अधिकारी-कर्मचारी और दिल्ली में निवासरत मध्यप्रदेश के निवासी उपस्थित थे।

ट्रांसमिशन लाइनों के नीचे बने मकान के मालिकों को नोटिस जारी

भोपाल। इंदौर शहर की नई कॉलोनियों सहित कई इलाकों में कई मकान एक्स्ट्रा हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित दायरे में बन गये हैं। यह निर्माण वर्षों पहले स?थापित ट्रांसमिशन लाईनों के समीप किए गए जो न केवल गैरकानूनी हैं, बल्कि जानलेवा भी साबित हो सकते हैं। एम.पी. ट्रांसको ने पिछले तीन वर्षों में ऐसे 892निर्माणों के लिये नोटिस जारी किए हैं। एम.पी. ट्रांसको द्वारा अपने स्तर पर इन्हें हटाने के कई प्रयास समय-समय पर किए जाते हैं, साथ ही जिला प्रशासन की मदद से भी अभियान चलाया जाता है। वर्षों पहले स्थापित हुई इन एक्स्ट्रा हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइनों के नीचे बसे रहवासी मकान न केवल विद्युत सुरक्षा नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि यह जनजीवन को गंभीर खतरे में डाल रहे हैं। इंदौर के लिंबोदी, मुसाखेड़ी, खजराना, मुखर्जी नगर, बाणगंगा, नेमावर रोड, सुखलिया, देवास नाका, खंडवा रोड आदि क्षेत्र ऐसे हैं जहां न्यूनतम सुरक्षा दूरी नहीं है और दुर्घटना की आशंका अधिक है। एम.पी. ट्रांसको इंदौर की कार्यपालन अभियंता श्रीमती नम्रता जैन ने बताया कि इंदौर के ऐसे सभी क्षेत्र जहां पहले से ही ट्रांसमिशन लाइनें क्रियाशील है।

कल से भोपाल, उज्जैन और रतलाम होकर भगत की कोठी जोधपुर नई ट्रेन की सौगात

भोपाल। पश्चिम रेलवे ने 20 जुलाई से भोपाल, उज्जैन, और रतलाम होकर भगत की कोठी (जोधपुर) के लिए एक नई ट्रेन शुरू होने की घोषणा की गई है। यह ट्रेन इन तीनों शहरों के यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात है। यह ट्रेन यात्रियों को भगत की कोठी (जोधपुर) तक सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जिससे यात्रा समय और सुविधा में सुधार होगा। यह ट्रेन विशेष रूप से उन यात्रियों के लिए उपयोगी होगी जो इन शहरों से जोधपुर या उसके आसपास के क्षेत्रों की यात्रा करना चाहते हैं।

पोस्ट कार्ड भेजकर मुख्यमंत्री को याद दिलाए उनके वायदे

बैरसिया। ।मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का 26 मार्च 2025 को मुरैना में अधिवेशन हुआ था।उस अधिवेशन में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्रकार सुरक्षा कानून शीघ्र ही लागू करने सहित 6 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया था।उस समय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पत्रकारों को 6 सूत्रीय मांगों का शीघ्र ही निराकरण करने का आश्वासन दिया था।परन्तु 5 माह बीत जाने के बाद भी मांगों का निराकरण नहीं हुआ। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष सलभ भदौरिया के आव्हान पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को ज्ञापन की मांगों का स्मरण कराने के लिए पूरे मध्य प्रदेश से श्रमजीवी पत्रकार 6 सूत्रीय मांगों को पोस्ट कार्ड में लिखकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को अग्रेषित कर रहे हे।जिससे श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा दिए गए ज्ञापन की मांगों का शीघ्र ही निराकरण हो सके।इसी कड़ी में शुक्रवार को श्रमजीवी पत्रकार संघ बैरसिया के अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में बैरसिया के पत्रकारों ने भी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के मुरैना अधिवेशन में दिए गए ज्ञापन की 6 सूत्रीय मांगों का स्मरण कराने के लिए पोस्टकार्ड लिख कर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की और अग्रेषित कर दिए हे। इस अवसर पर इदरीश अहमद प्रेम सिंह दागी माधो सिंह दागी आशीष शर्मा रत्नेश नामदेव राजेश शर्मा विनय सिंह पटेल जितेन्द्र शर्मा सोमत कुशवाह दिनेश भार्गव कमल सेन नवीन बत्रा ऋषभ सेन सहित बैरसिया के सभी पत्रकार मौजूद थे।

प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर देने के लिये 365 दिन टैलेंट सर्च : सारंग

जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि खेल प्रतिभाओं को अवसर देने के लिये प्रत्येक दिन टैलेंट सर्च के संकल्प के साथ कार्य किया जाए, जिससे प्रदेश की लगभग 9 करोड़ जनसंख्या में से कम से कम 50 लाख युवाओं की खेल प्रतिभा को चिन्हित कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके। श्री सारंग शुक्रवार को समन्वय भवन में आयोजित जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला में संवाद कर रहे थे। कार्यशाला में विभागीय नवाचारों पर विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि युवा समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचायें।

मंत्री सारंग ने कहा कि युवा समन्वयकों से 3 माह बाद पुनः संवाद होगा। उन्होंने कहा कि जिस ब्लॉक में जनसंख्या कम है वहां खिलाड़ियों की खोज के लिए ब्लॉक का क्लस्टर बनाकर टैलेंट सर्च आयोजित किया जाये। उन्होंने यह भी कहा कि युवा समन्वयक स्कूल गेम्स और अन्य विभागों से भी समन्वय करें। समन्वयक युवाओं से सतत सम्पर्क करें मंत्री सारंग ने निर्देश दिए कि समन्वयक प्रत्येक ब्लॉक में सक्रिय भूमिका निभाते हुए युवाओं के संपर्क में रहें और उन्हें विभागीय गतिविधियों से जोड़ें। उन्होंने कहा कि युवा समन्वयकों की तीन माह बाद कार्यों की पुनः समीक्षा की जाएगी। कम जनसंख्या वाले किन्तु खेल प्रतिभा वाले ब्लॉकों को जोड़कर ब्लॉक क्लस्टर बनाकर टैलेंट सर्च कार्यक्रम चलाने का सुझाव भी उन्होंने दिया। कार्यशाला के दौरान खेलो बढ़ो अभियान, पार्थ योजना, फिट इंडिया क्लब, एक जिला-एक खेल, खेलो एमपी यूथ गेम्स के नए स्वरूप, टैलेंट सर्च कार्यक्रम और जिलों में किये गए नवाचारों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। मंत्री श्री सारंग ने युवाओं से नशा मुक्ति अभियान को जन आंदोलन का रूप देने का आह्वान करते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से समाज में सकारात्मकता और जागरूकता लाई जा सकती है। उन्होंने कहा, ÷हम केवल अच्छे खिलाड़ी नहीं बल्कि अच्छे नागरिक और समाज के कर्णधार बना रहे हैं।

कार्यशाला में शहडोल के युवा समन्वयकों द्वारा प्रस्तुत सुझावों के आधार पर मंत्री सारंग ने विचारपुर (मिनी ब्राज़ील) में शीघ्र ही फुटबॉल फीडर सेंटर की स्थापना की घोषणा की। धार जिले के सरदारपुर में फुटबॉल को लेकर बढ़ते उत्साह और प्रदेश की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी ज्योति चौहान की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए उन्होंने ब्लॉक स्तर पर खेल एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू करने को भी कहा। उन्होंने उत्साहवर्द्धन के लिये विचारपुर और सरदारपुर के बीच भोपाल में फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित करने के लिये भी निर्देशित किया। मंत्री सारंग ने नरसिंहपुर में स्थापित प्रदेश के एकमात्र व्हाली-बॉल हॉस्टल को अकादमी में विस्तारित करने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

15 से 20 प्रतिशत विद्यार्थियों ने मौखिक एवं लिखित परीक्षाओं में हिंदी का किया उपयोग

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार प्रयासरत है कि भाषा ज्ञान के मार्ग में बाधक नहीं बने। हिंदी भाषा में एमबीबीएस की शिक्षण व्यवस्था इसी सोच का सफल क्रियान्वयन है। भाषा को अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास का माध्यम बनाकर विद्यार्थियों को को सशक्त करना सरकार का लक्ष्य है। मध्यप्रदेश सरकार की मातृ-भाषा हिंदी में चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने का संकल्प अब नीतिगत निर्णयों और कार्यान्वयन की ठोस रूपरेखा के साथ तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में मातृ-भाषा हिंदी को सशक्त बनाने के लिए सतत नवाचार किए जा रहे हैं। कुलसचिव मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर ने बताया कि वर्ष 2022 में हिंदी में चिकित्सा शिक्षा के लिए पाठ्यपुस्तकों का विमोचन किया गया था और शैक्षणिक सत्र 2023-24 से विद्यार्थियों के लिए पुस्तके उपलब्ध करायी गई। यह नवाचार अभी अपने प्रारंभिक चरण में है, केवल प्रथम वर्ष की परीक्षाएं आयोजित की गई हैं। विश्वविद्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, लगभग 15 से 20 प्रतिशत छात्रों ने मौखिक एवं लिखित परीक्षाओं में हिंदी भाषा का उपयोग किया है। यह प्रथम बैच वर्ष 2027-28 में स्नातक होगा। विश्वविद्यालय द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि आगामी सत्रों से प्रश्नपत्र दोनों भाषाओं हिंदी और अंग्रेज़ी में उपलब्ध कराए जा रहे हैं जिससे छात्र अपनी सुविधा के अनुसार उत्तर दे सकें। चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा संकाय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों को मातृ-भाषा में अध्ययन को प्रोत्साहित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। कक्षा और प्रायोगिक शिक्षण में मातृ-भाषा में परीक्षा देने वाले छात्रों को किसी प्रकार की असुविधा न हो साथ ही परीक्षकों का चयन करते समय यह सुनिश्चित करने के निर्देश हैं कि वे मातृ-भाषा को समझते हों और उसी में छात्रों से संवाद कर सकें। मातृ-भाषा में परीक्षा देने वाले छात्रों को संस्थागत स्तर पर प्रोत्साहन दिया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर उनके लिए विशेष समस्या निवारण कक्षाएं भी आयोजित की जाएंगी। इन छात्रों को पढ़ाने वाले शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिए जाने की व्यवस्था भी की जा रही है। मातृ-भाषा में परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप परीक्षा शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट दिए जाने का प्रावधान किया गया है। ऐसे विद्यार्थी जो अपनी कक्षा, प्रोफेशनल वर्ष अथवा समस्त पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा नकद पुरस्कार और विशेष उपाधियों से सम्मानित किया जाएगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी को मातृ-भाषा रत्न के रूप में दो लाख रुपये की राशि दी जाएगी। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को मातृ-भाषा विभूषण के रूप में एक लाख पचास हजार रुपये, तृतीय स्थान पर आने वाले को मातृ-भाषा भूषण के रूप में एक लाख रुपये और चतुर्थ स्थान वाले को मातृ-भाषा श्री के रूप में पचास हजार रुपये की राशि प्रदान की जाएगी।

संत रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क से निकले ग्लोबल प्रोफेशनल्स

मध्यप्रदेश के युवाओं को मिला अंतर्राष्ट्रीय करियर का सुनहरा अवसर, विदेशी प्लेसमेंट में नया कीर्तिमान

भोपाल। भोपाल स्थित संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (एसएसआरजीएसपी) में शुक्रवार को संस्थान के 104 युवाओं को देश और विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों से नियुक्ति-पत्र प्राप्त हुए। इस वर्ष एसएसआरजीएसपी ने विदेशी प्लेसमेंट के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। संस्थान से अब तक 18 विद्यार्थियों का चयन जापान, दुबई, अबू धाबी और हंगरी की अग्रणी कंपनियों में हो चुका है। इस बार 5 छात्रों को विदेश में करियर की शुरुआत का अवसर मिला है। यह इस बात का प्रमाण है कि एसएसआरजीएसपी अब एक सशक्त ग्लोबल स्किलिंग सेंटर बन चुका है। इस प्लेसमेंट ड्राइव की खासियत यह रही कि चयनित युवाओं में से कुछ को 9 लाख रुपये तक का वार्षिक पैकेज मिला। यह संस्थान की गुणवत्ता, प्रशिक्षण प्रणाली और छात्रों की मेहनत का प्रमाण है।

प्लेसमेंट ड्राइव बना अभिभावकों के लिए भावुक क्षण

कई प्रशिक्षणार्थी इस अवसर पर अपने माता-पिता के साथ उपस्थित थे। जैसे ही उन्हें मंच पर नियुक्ति पत्र दिये गए, परिवारजन भावुक हो गए। यह आयोजन समारोह के साथ सपनों के साकार होने का मंच भी साबित हुआ, जिसके पीछे वर्षों की मेहनत, विश्वास और संघर्ष था।

नेतृत्व से मिली दिशा

कार्यक्रम में कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. गौतम टेटवाल ने वीडियो संदेश के माध्यम से कहा कि एसएसआरजीएसपी अब मध्यप्रदेश के युवाओं के लिए वैश्विक अवसरों का प्रवेश द्वार बन चुका है। उन्होंने सभी चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह शुरुआत है, आप लगातार सीखते रहें, आगे बढ़ते रहें और अपने मूल्यों से जुड़े रहें। उन्होंने संस्थान की पहल को कौशल और उद्योग के बीच एक मजबूत कड़ी बताया। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के प्रमुख सचिव श्री विवेक पोरवाल ने भी छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि एसएसआरजीएसपी जैसी संस्थाएं प्रदेश के युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर रही हैं। यह केवल मध्यप्रदेश नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है।

वर्ल्ड क्लास स्किलिंग का प्रतीक बना एसएसआरजीएसपी

भारत सरकार और मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से स्थापित एसएसआरजीएसपी देश का एकमात्र ऐसा संस्थान है जो इंटरनेशनल क्वालिटी ट्रेनिंग, आधुनिक लैब्स, इंडस्ट्री कनेक्शन और प्लेसमेंट सपोर्ट जैसी सुविधाएं एक साथ उपलब्ध कराता है। यहां केवल तकनीकी जानकारी ही नहीं, बल्कि उद्योग के हिसाब से युवाओं को प्रशिक्षित किया जाता है। संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गिरीश शर्मा और अन्य अधिकारियों ने भी छात्रों को शुभकामनाएं देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नये दौर का युद्ध कौशल

राकेश दुबे

ऑपरेशन सिंदूर सही मायनों में भारतीय वायु सेना की श्रेष्ठता का एक अद्भुत प्रदर्शन था। निस्संदेह, भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का पाकिस्तान को न केवल कड़ा जवाब दिया बल्कि नये दौर के युद्ध कौशल का सफल परीक्षण भी किया। हम सिर्फ इससे आत्मसंतुष्ट होकर नहीं बैठ सकते। भारतीय सेना के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने दुनिया के मौजूदा परिदृश्य पर बिल्कुल सही कहा है कि आज का युद्ध कल की तकनीक से लड़ा जाना चाहिए, न कि बीते जमाने की हथियार प्रणालियों से।

हर पल बदलती युद्ध कौशल की तकनीकों में बात बढ़त लेने की है। यह एक हकीकत है कि जो भी देश ऐसा करने में विफल रहेगा, निश्चित रूप से उसकी सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। उनका कहना सही ही है कि मानवरहित हवाई वाहन यानी यूएवी आमने-सामने की लड़ाई के विपरीत गैर-संपर्क युद्ध के तेजी से विकसित होते परिदृश्य में एक बदलावकारी शक्ति के रूप में उभरे हैं। ड्रोन तकनीक के लगातार विकसित होते रहने से यह एक ऐसा घातक हथियार बन चुका है, जो दुश्मन देश के प्रमुख रक्षा प्रतिष्ठानों जैसे लक्ष्यों को तुरंत पहचानकर उन पर हमला कर सकता है।

इसमें दो राय नहीं कि हाल ही के दिनों में यूरोप और एशिया में जारी संघर्ष के दौरान ड्रोन व मानवरहित विमानों ने निर्णायक भूमिका निभायी है। इस दिशा में भारत पूर्वी यूरोप में ड्रोन-प्रधान संघर्ष से सबक ले सकता है। जहां यूक्रेन ने सैन्य शक्ति, तोपखाने और टैंकों के मामले में रूस की बढ़त का मुकाबला करने लिये यूएवी का भरपूर इस्तेमाल किया है। यही वजह है कि यूक्रेन की इस रणनीति ने रूस को अपना ध्यान यूएवी तकनीक पर केंद्रित करने के लिये बाध्य किया है। रक्षा विशेषज्ञों का आकलन है कि दोनों देश प्रतिवर्ष चौंका देने वाली लाखों की दर से ड्रोन बना रहे हैं। ड्रोन उत्पादन के क्षेत्र में यूक्रेन के एक महाशक्ति के रूप में उदय ने भारत को ऐसे क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिये प्रेरित किया है, जहां अत्याधुनिक नवाचार ही सब कुछ है, अब चाहे इनका उपयोग किसी भी निश्चित उद्देश्य के लिये किया जाए। मसलन स्ट्राइक ऑपरेशन की निगरानी के लिये तथा रडार से छिपकर ये उड़ने वाली मशीनों को सुरक्षित बनाने के लिये। भारत के लिये यह सुनिश्चित करना एक चुनौती है कि उसके ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियां दुश्मन के ड्रोन तकनीक से बेहतर सिद्ध हों। निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में यूएवी परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में निर्णायक साबित होगा। ऐसे में परंपरागत युद्ध कौशल से आगे जाकर हमें नई चुनौतियों का मुकाबला करना है। हमें न केवल अपनी सुरक्षा को सुनिश्चित करना है बल्कि ड्रोन व यूएवी तकनीक में ऐसी महारथ हासिल करनी है कि हम इनके निर्यातक के रूप में हथियार बाजार में अपनी पहचान बना सकें।

आज जन्मजयंती

गाँव के निशा-निमंत्रण में गीतर्षि नीरज

जयराम शुक्ल

नीरजजी दिल में उतर जाने वाले साहित्यिक मनीषी थे। कवि सम्मेलनों के गैंगबाजी वाले दौर में भी, वे वैसे के वैसे ही रहे जैसे दिनकर, बच्चन के जमाने में थे। पारिश्रमिक उनकी वरीयता में कभी नहीं रहा, न ही वे इसके लिए कभी कोई सौदेबाजी की। ऐसा मैं इसलिए कह सकता हूँ क्योंकि कई वर्षों तक अखिल भारतीय कविसम्मेलनों के सफल आयोजनों का सूत्रधार रहने का श्रेय मिला।

एक किस्सा और...श्रीयुत श्रीनिवास तिवारीजी उन दिनों स्पीकर रहते हुए म.प्र. की सत्ता में सर्वशक्तिमान थे। वे प्रतिवर्ष अपने गांव तिवनी (रीवा) में कवि सम्मेलन आयोजित करवाते थे।

गाँव में साहित्यिक-सांस्कृतिक उत्सव की यह परिकल्पना भाई जगजीवन लाल तिवारी की थी। हम लोगों ने 1984 से तिवनी में ही तीन दिवसीय बघेली रचना शिविर की शुरुआत की थी। इस शिविर में देश भर के ख्यातिलब्ध साहित्यकार व संस्कृतिकर्मी आते थे। बाबा नागार्जुन एक बार आए तो हफ्ते भर रुके।

सबसे ज्यादा आकर्षण प्राख्यात नर्तक उमेश शुक्ल के संयोजन में लोकपरंपरा के विविध रूपों की प्रस्तुति व समापन के दिन होने वाले अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का रहता था। कालप्रवाह और वक्त की कमी के चलते यह आयोजन कविसम्मेलन तक सिमटकर रह गया।

यह संभवतः वर्ष 2001 की बात होगी। इस बार श्रीयुत ने मुझे बुलाकर कहा कि ..कवि सम्मेलन यादगार होना चाहिए, ...कैसे कैसे कवियों को बुलाकर बैठा देते हो, जिन्हें न लिखने का सलीका न पढ़ने का सऊर। इस साल ऐसा नहीं होना चाहिए।

इन दिनों तक कवि सम्मेलन गिरोहबंदी के गिरफ्त में आ चुका था। यानी कि एक कवि सभी कवियों का ठेका ले लेता है। और संयोजकों का कहना ही क्या। यह आयोजन हमारे लिए चुनौती भरा था।

कवि आमंत्रण का श्रीगणेश ही नीरज जी से..। मैंने पहला फोन उन्हें ही घुमाया। उनका दीवाना तो बचपन से था ही, उनकी कई रचनाएं जो मुझे कंठस्थ हैं की चर्चा करके भूमिका बनाई। फिर मुद्दे की बात की - दद्दा एक कवि सम्मेलन में आना है वह भी गांव में ..उन्होंने विनोदी लहजे में बस इतना ही पूछा- ज्यादा पैदल तो नहीं चलना पड़ेगा और पड़ेगा भी तो आऊँगा..। पारिश्रमिक की बात नहीं की।

मुझे तुरुप का इक्का मिल चुका था..। इसके बाद जिन कवियों से बात की बस उन्हें नीरज जी की स्वीकृति का हवाला देता गया, उधर से मंजूरी मिलती गई।

कवि सम्मेलन में बशीर बद्र, माणिक वर्मा, सोम ठाकुर, बेकल उत्साही, बालकवि बैरागी, रामेंद्र मोहन त्रिपाठी के साथ नई पीढ़ी के कवियों में कुमार विश्वास, कमलेश शर्मा, सुनील जोगी आदि जैसे कवि थे। यह अद्भुत मंच था। कुमार विश्वास की मौजूदगी में भी मैंने मंच संचालन का दायित्व कैलाश गौतम जी को सौंपा..।

एक गांव में अभा कवि सम्मेलन..? जी हाँ इस कवि सम्मेलन को सुनने 50 हजार से भी ज्यादा लोग जुटे। रीवा से तिवनी तक गाड़ियों की रेलमपेल। वैसे इसके पीछे तिवारी जी का ही आभामंडल था।

तिवारीजी अपने आयोजनों के खुद स्टार प्रचारक व ब्रांड एम्बेसडर बन जाया करते थे, इस कवि सम्मेलन में नीरज जी बहुप्रचारित कवि थे। हफ्तों से लोगों की जुबान पर नीरज के गीत थे, उन्हें सुनने की अतीव उत्कंठा थी।

हम साहित्यिक मित्रों ने नीरजजी का रीवा में स्वागत किया। चूँकि यहाँ उन्हें आठ दस घंटे शहर में ही बिताने थे इसलिए शहर के साहित्यकारों को भी बुला लिया। रेडियो व अखबार वालों ने उनके इंटरव्यू लिए। उनका साथ देने के लिए सुप्रसिद्ध साहित्यकार चंद्रिका चंद्रजी से आग्रह किया वे पूरे वक्त साथ रहे। नीरजजी में ऐसा ओज और तेज पहले कभी नहीं देखा जैसा उस दिन। रीवा शहर से तिवारीजी का गांव 35 किमी से ज्यादा ही है। उन दिनों सड़कों की हालत यह थी कि रास्ते में गड्ढा देखें कि गड्ढे में रास्ता..। बस कैसे भी तिवनी पहुंचे। श्रोताओं का कोई पारावार नहीं.. दूर खेतों तक छिटके हुए, मेड़ों में जमें बैठे थे। रास्ते की थकान के बाद भी नीरज जी की प्रफुल्लता देखते बनती थी.. सीधे मंच पर पहुंचे तब तक अन्य दिग्गज कवि विरजमान हो चुके थे।

सामने श्रोताओं की पंक्ति में सबसे आगे मसनद पर टिके तिवारी जी बगल में जगदीश जोशी, विवि.के कुलपति पीछे की लाइन में कमिश्नर, आईजी,कलेक्टर सभी प्रशासनिक अमला। लेकिन श्रोताओं की भीड़ में ज्यादातर वे लोग थे जो सपरिवार अपने-अपने घरों की टटिया और किवाड़ देकर यहां आ जमे थे। दृष्य की कल्पना करें- मंच पर गीतर्षि गोपालदास नीरज और सामने जमीन पर एक दिग्गज राजनेता जो चघ्घड़ श्रोता बना बैठा है।

मैंने मंच संचालक श्री कैलाश गौतमजी से आग्रह किया कि कवि सम्मेलन नीरज जी से ही शुरू करें। वे चौंक उठे क्योंकि मंच की मर्यादा के हिसाब से वरिष्ठता के क्रम से काव्यपाठ होता है। मैंने उनसे कहा कि श्रोता बेताब हैं किसी दूसरे को नहीं सुनेंगे हूट कर देंगे।

मेरी कोट की जेब नीरज जी के लिए की गई फरमाइशों से ओवरफ्लो हो रही थी इसी वजह से मैंने यह आग्रह किया। कैलाश जी ने कहा नीरज जी से पहले पूछ लीजिए। इधर नीरज जी काव्यपाठ के अंदाज में ही दो मसनदों के ऊपर अपना आसन जमा चुके थे..। मैंने श्रोताओं की बेसब्री बताई तो उन्होंने कहा-नेकी और पूछ-पूछ...हाँ पहले सोम जी से भाषा की आराधना वाला वो गीत पढ़वा दीजिए..। वे मूड में थे..सरस्वती की जगह भाषा वंदना के साथ कवि सम्मेलन शुरू हुआ।फिर नीरज जी शुरू हुए..। कविता-गीत से पहले मंच से ही तिवारीजी की क्लास ली। सब सन्न..। बोले- तिवारी जी हड्डी का पोर-पोर तक चटख गया आपकी सड़कों में..। फिर उन्हें साहित्यानुरागी होने का सम्मान देते हुए यह भी बताया कि तिवारी जी उमर में मैं आपसे बड़ा हूँ.. इसलिए मशविरा देने का अधिकार रखता हूँ..। चारों तरफ सन्नाटा..। नीरज जी तिवारी जी के बारे में अपडेट थे।

सुनिए तिवारी जी.. यही कहते हुए उन्होंने काव्यपाठ शुरू किया..

जितना कम समान रहेगा,
उतना सफर आसान रहेगा।
जितनी भारी गठरी होगी,
उतना तू हैरान रहेगा।
हाथ मिले पर दिल न मिले
मुश्किल में इंसान रहेगा।

सुनिए तिवारीजी.. के तकिया कलाम के साथ गजल पूरी की। तब तक उनसे की गई फरमाइशों का पुलिंदा उनके हवाले कर चुका था जिसे उन्होंने अपने सामने बिखरा लिया। पहले फरमाइश की पुर्चियां बाँचकर सुनाते और बाद में उसके अनुसार अपने गीत..। उस ऐतिहासिक कविसम्मेलन के श्रोताओं को आज भी याद होगा कि

..कारवाँ गुजर गया.. से जो शुरुआत की उसका समापन..ऐसी क्या बात हुई चलता हूँ अभी चलता हूँ, एक गीत जरा झूम के गा लूँ तो चलूँ...

तब तक साढ़े तीन घंटे बीत चुके थे..नीरज जी उस दिन गांव के निशानिमंत्रण पर थे। बांकी के दिग्गज कवि उस कविसम्मेलन में मंच की ÷श्री शोभा÷ ही बनकर उस गीतवर्षा में भींजते रहे।

।।महाकवि नीरज की स्मृतियों को नमन।।

शिक्षा की मंडी

श्रीकांत आप्टे

प्रदेश की राजधानी। शहर में नये प्रायवेट इंजीनियरिंग कॉलेज के उद्घाटन का अवसर। शहर के नये प्रायवेट इंजीनियरिंग कॉलेज का फीता मंत्रीजी ने काटा। भाषण में प्रदेश के व्यवसायियों के शिक्षाक्षेत्र में योगदान की प्रशंसा करते हुए मंत्रीजी ने बताया कि शहर का यह सौवां प्रायवेट इंजीनियरिंग कॉलेज है । मंच पर बैठे प्रायवेट इंजीनियरिंग कॉलेज ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्रीजी को बताया कि यह एक सौ आठवां है। शहर में इतने प्रायवेट इंजीनियरिंग कॉलेज हों तो उनके मालिकों का संगठन जरूरी है।

शहर के व्यवसायियों का शिक्षाप्रेम चहुंओर दिखता है। आधा दर्जन विश्वविद्यालय, एक दर्जन मेडिकल और डेंटल कॉलेज और अनगिनत अन्य कॉलेज। सभी प्रायवेट। शहर में प्रायवेट नर्सरी से लेकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की गिनती के लिए दो साल पहले निकले सरकारी अफसर अब तक ऑफिस नहीं लौटे हैं।

अनाज मंडी,सब्जी मंडी,फल मंडी,फूल मंडी वैसे ही शिक्षामंडी। अनगिनत दुकानें हैं। हर तरह का माल। सस्ते से लेकर महंगे रेट का माल। आप अपनी हैसियत से माल चुनने को आजाद हैं। सरकारी के भरोसे मत रहिए। गिनी-चुनी संस्थाएं और गिनी-चुनी सीटें।

सरकारी के भरोसे रहेंगे तो लल्ला को लल्ली को डॉक्टर या इंजीनियर कैसे बनाएंगे? सरकार ने आप ही की सुविधा के लिए यह शिक्षामंडी खुलवाई है। रोकड़ा दें, माल लें।

देखिए साहबान , नर्सरियां और अंग्रेजी मीडियम लेबल वाले स्कूल तो सरकार की मेहरबानी से हर मोड़ और नुक्कड पर देश में समाजवाद के अवशेष के तौर पर मिल जाएंगे।

बेस्ट क्वालिटी, नर्सरी लेवल पर ही चुनना जरूरी है। नर्सरी तो आप समझते ही होंगे जहां पौध तैयार होती है। बढ़िया पौध तैयार करने के लिए शानदार इमारतों,एसी क्लासरूम, एसी बसों वाली नर्सरियां भी हैं मंडी में। कुछ लाख रुपयों का मुंह मत देखिए। नर्सरी, केजी वन, टू से लेकर बारह साल तक आप छुट्टी पा जाएंगे। लल्ला या लल्ली पैदा होने से नर्सरी में एडमिशन तक तीन सालों में इतनी बचत आपको करना है कि आप एडमिशन फार्म खरीद सकें। आगे, तुझको रखखे राम तुझको अल्ला रखखे।

पैदा करें आप तो शिक्षा का खर्चा सरकार क्यों उठाए? बहुत से काम हैं सरकार के पास रुपए खर्चने को। इसीलिए सरकार ने शिक्षा की मंडी आपके लिए खोल तो दी है। मंडी में जाइए। अपनी औकात का माल उठाईये। औकात न हो तो भाड़ में जाइए। मंडी के स्कूल वाले सैक्शन से आप निकल चुके। अब मंडी के कॉलेज वाले सैक्शन की दुकानें आपको पुकार रही हैं। स्कूल वाले सैक्शन ने ही आपका काफी दम निकाल दिया है। लेकिन यहां तक पहुंचने के बाद पस्तदम होकर बैठ गये तो अब तक किए गए पर पानी फिर गया समझो।

इसीलिए उठो पार्थ, उठाओ बैंक लोन का गांडीव जो बैंकें पहले ही थाली में सजाए खड़ी हैं। उठाओ और घुस जाओ फिर से शिक्षा की मंडी में। मंडी के इस सैक्शन में इंजीनियरिंग, मेडिकल, लॉ और बहुत सी अन्य वैरायटी का माल है। ज्यादा पैसे न लगाने हों तो ,हमारी राय मानिये, इंजीनियरिंग वाला माल उठा लीजिए। बहुत ज्यादा आढ़तिये मंडी में उतर आने से फिलहाल इसकी मांग में नरमी चल रही है। पर बाज़ार के बारे में कोई नहीं जानता कि कब किस माल में उठाव हो और तेजी आ जाए। आप लॉ के माल को ही देखिए। कोई भी टके सेर न पूछता था। क्या कहें डिमांड ऐसी बढ़ी है कि माल मंडी में उतरता है और उठ जाता है। फिलहाल,आठ-दस लाख में ठीक-ठाक दुकान का माल मिल जाता है। मंडी है, कल की कौन कहे? बीस-पच्चीस लाख अंटी में हों तो आपको डॉक्टरी वाला माल मिल जायेगा। एमबीबीएस वाला न मिले तो डेंटल वाला मिल सकता है। और ऊपर की क्वालिटी वाला यानी एमडी,एमएस चाहिए तो कम-से-कम डेढ़-दो करोड़ चाहिए। आप तो इन्वेस्टमेंट करिये। बेफिक्री से करिये। वसूली के लिए मरीज हैं तो। एक्सरे और जांचों का कमीशन ऊपर से। आजकल मंडी में बीएड़ और एमबीए की पूछ-परख बढ़ने से अच्छी मांग बनी रहती है। फिलहाल डिमांड और सप्लाई बराबर रहने से दामों में स्थिरता बनी हुई है। लाख- दो लाख में बीएड़ का माल उठवा सकते हैं। चार-पांच लाख में एमबीए का माल भी अवेलेबल रहता है।

सरकारी कंट्रोल की दुकानों के भरोसे बैठेंगे तो राशनकार्ड हिलाते रह जाएंगे। काहे से कि पहली बात यह कि सरकार खुद ही अपनी दुकानें बंद करने में लगी है। ऊपर से क्वालिटी भी गिराते जा रही है। हमारी मानो तो मंडी जाईए और अपनी हैसियत और पसंद का माल उठाईये।

मांडव में मिशन-2028 पर मंथन के मायने...

कौशल किशोर चतुर्वेदी

प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के युवा नेतृत्व में कांग्रेस 2028 में सत्ता में वापसी की तैयारी 3 साल पहले से शुरू कर रही है। यह भी देखने वाली बात है कि कमलनाथ, दिग्विजय सिंह जैसे नेता मिशन 2028 में मार्गदर्शक का काम करेंगे या फिर रण में आगे रहेंगे। 2003 में भाजपा ने कांग्रेस को सत्ता से बेदखल किया था, उससे पहले 10 साल तक कांग्रेस सरकार में दिग्विजय सिंह मुख्यमंत्री रहे थे। इसके 15 साल बाद दिसंबर 2018 में कांग्रेस मात्र 15 महीने के लिए सत्ता में लौट पाई थी, इन 15 महीनों में कमलनाथ मुख्यमंत्री थे। और मार्च 2020 में कमलनाथ को बेदखल कर भाजपा ने फिर सरकार बना ली थी। 15 महीने को काम करने के लिहाज से कांग्रेस और कमलनाथ ने नाकाफी माना था। ऐसे में अगर देखा जाए तो 2028 तक कांग्रेस को सत्ता से बेदखल हुए करीब 25 साल ही हो जाएंगे। ऐसे में स्वाभाविक ही है कि कांग्रेस का कार्यकर्ता हताश है, निराश है और उदास है। और शायद इसीलिए कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करने के लिए अब कांग्रेस ने कमर कस ली है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार दोनों ही मालवा क्षेत्र से आते हैं। और कांग्रेस ने 2028 में सत्ता में वापसी करने के लिए तीन साल पहले मालवा के मांडव में मंथन का फैसला किया है। इस मंथन से अमृत निकलने की कांग्रेस पार्टी की सोच कितनी कामयाब होती है, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। पर यदि कांग्रेस ने सफल रणनीति बना कर अमल किया तो कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार अवश्य होगा, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। वैसे नवनिर्वाचित जिला-ब्लाक अध्यक्षों का निर्वाचन कांग्रेस की असल परीक्षा है।

खैर मुद्दा यही है कि कांग्रेस की नई सोच-नई रणनीति, मिशन 2028 और राज्य की जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी की ओर से विधायकों का 'नव संकल्प शिविर' आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर 21 और 22 जुलाई को मांडव में आयोजित होगा, जिसमें दिल्ली से वरिष्ठ कांग्रेस नेता वर्चुअल रूप से जुड़ेंगे। कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग की सुप्रिया श्रीनेत, कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन और अन्य कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिविर में शामिल होंगे। वैसे योजना कुछ इस प्रकार है कि 20 जुलाई को विधायक मांडू पहुंचेंगे और 21 और 22 जुलाई को लगभग 12 सत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इसमें कांग्रेस की विचारधारा, इतिहास, संविधान, संगठन, जातिगत जनगणना, चुनाव प्रबंधन, मीडिया मैनेजमेंट, कम्युनिकेशन स्किल, राजनीतिक व्यक्तित्व निर्माण और सरकार की विफलताओं जैसे विषयों पर चर्चा होगी। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी की निगरानी में यह ट्रेनिंग होगी। मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रशिक्षण विभाग के अध्यक्ष महेन्द्र जोशी, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी सहित अन्य कई वक्ता महत्वपूर्ण सत्रों को संबोधित कर इन महत्वपूर्ण विषयों पर विधायकों की स्पष्ट राय बनाएंगे।वैसे मध्य प्रदेश में कांग्रेस का सीधा मुकाबला भारतीय जनता पार्टी से है। और संगठन के मामले में भाजपा की बराबरी करना कांग्रेस का हमेशा से लक्ष्य रहा है। तो कांग्रेस की मुख्य परीक्षा संगठन के 'नवगठन' में है। कांग्रेस की मुख्य परीक्षा पार्टी को गुटों से मुक्त करने में है। कांग्रेस की मुख्य परीक्षा भाजपा संगठन और सरकार के मजबूत जोड़ को जमीनी स्तर पर परास्त कर सकने वाले संगठन के नवगठन में है। कांग्रेस की मुख्य परीक्षा मतदाताओं के मन से भाजपा को निकालकर अपनी स्थाई जगह बनाने में है। और इसके लिए तथा मिशन-2028 में सफल होने के लिए कांग्रेस को विधायकों-पदाधिकारियों की क्लास लगाने का एक पूरा शेड्यूल तैयार करना पड़ेगा। दूरगामी लक्ष्य अभी बहुत दूर है और तत्काल में देखें तो विधानसभा के मानसून सत्र से पहले मांडव में कांग्रेस विधायक जो पाठ पढ़ेंगे उसकी परीक्षा विधानसभा सत्र में हो जाएगी। इसके बाद 2028 तक कांग्रेस को एक लंबा फासला तय करना है और तब समय-समय पर लगने वाली क्लासें और उनकी सफलता ही पार्टी को मनचाही मंजिल तक लेकर जा पाएगी। मांडव से इसकी शुरुआत है और मंजिल तक पहुंचने के लिए अभी कई पड़ाव तय करने बाकी हैं। और यह भी तय है कि कांग्रेस के लिए सत्ता में वापसी एक बड़ी चुनौती है। मांडव में मिशन-2028 पर मंथन के बाद बनी रणनीति कांग्रेस को भाजपा के साथ रण में कहां ले जाती है, यह देखने वाली बात है और 2028 आते-आते सब साफ हो जाएगाज।

विश्व घोड़ा दिवस : घोड़ा शक्ति, स्वतंत्रता, निष्ठा, साहस, गति और धीरज का प्रतीक है

योग गुरु महेश अग्रवाल

विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों में घोड़ा एक शक्तिशाली और पवित्र प्राणी माना जाता है, जो शक्ति, वफादारी, स्वतंत्रता, और आध्यात्मिक गुणों का प्रतीक है। अश्विनी मुद्रा, वातायन आसन, अश्व संचालन आसन, घुड़ सवारी शारीरिक और मानसिक एवं संपूर्ण स्वास्थ्य के लिये सभी के लिये सरल अभ्यास आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल नें बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने 11 जुलाई को विश्व घोड़ा दिवस घोषित किया है। यह दिन घोड़ों के महत्व और उनके द्वारा मानव इतिहास में निभाई गई भूमिका को याद करने के लिए मनाया जाता है। विश्व घोड़ा दिवस 2025 पहली बार मनाया गया । यह दिन घोड़ों के प्रति सम्मान और उनके संरक्षण के लिए मनाया जाता है। घोड़े मानव इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं, खेतों की जुताई से लेकर युद्ध लड़ने और माल ढुलाई तक। वे सदियों से मानव सभ्यता का एक अभिन्न अंग रहे हैं। आज के दिन, हम घोड़ों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं और उनके संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध होते हैं।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि घोड़ा शक्ति, स्वतंत्रता, निष्ठा, साहस, गति और धीरज का प्रतीक है। यह एक शक्तिशाली और राजसी जानवर है, और विभिन्न संस्कृतियों में इसे विभिन्न गुणों से जोड़ा जाता है, जैसे कि बुद्धिमत्ता, स्वतंत्रता, और आध्यात्मिक उत्कृष्टता। बौद्ध धर्म में घोड़े को ऊर्जा और प्रयास का प्रतीक माना जाता है, और यह मन का वाहन है। पश्चिमी सभ्यता में घोड़े को शक्ति, युद्ध, और स्वतंत्रता से जोड़ा जाता है। फेंग शुई में, घोड़े की तस्वीर को सकारात्मक ऊर्जा और सौभाग्य लाने के लिए माना जाता है, खासकर घर में। वास्तु शास्त्र में, दौड़ते हुए घोड़े की तस्वीर को सकारात्मकता, गति, और सफलता का प्रतीक माना जाता है। सफेद घोड़ा शांति, सफलता, और विकास का प्रतीक। काला घोड़ा अकाल या विनाश का प्रतीक। लाल घोड़ा युद्ध का प्रतीक। दौड़ते हुए घोड़े गति, ऊर्जा, और आगे बढ़ने का प्रतीक। वास्तु शास्त्र में, सात घोड़ों की तस्वीर को शुभ माना जाता है और यह समृद्धि, तरक्की, और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। घोड़ा एक बहुआयामी प्रतीक है जो विभिन्न संस्कृतियों और संदर्भों में अलग- अलग अर्थ रखता है, लेकिन आमतौर पर यह शक्ति, स्वतंत्रता, और सकारात्मक ऊर्जा से जुड़ा होता है। घोड़े को विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों में महत्वपूर्ण धार्मिक और प्रतीकात्मक अर्थ दिया गया है। यह शक्ति, वफादारी, सम्मान, स्वतंत्रता, और आध्यात्मिक गुणों का प्रतीक है। सूर्य देव के रथ को सात घोड़े खींचते हैं, जो प्रकाश और ज्ञान के प्रतीक हैं। वैदिक काल में, अश्वमेध यज्ञ एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान था जिसमें घोड़े की बलि दी जाती थी, जो राजा की शक्ति और समृद्धि का प्रतीक था। बुद्ध के प्रिय घोड़े कंथक को सांसारिक जीवन त्यागने और ज्ञान की खोज में उनके साथी के रूप में जाना जाता है। जैन धर्म में, घोड़े को आध्यात्मिक व्यक्तियों के वाहन के रूप में देखा जाता है। जैन धर्म में घोड़े को वश में करने और आत्म-नियंत्रण का प्रतीक माना जाता है । ग्रीक पौराणिक कथाओं में, पेगासस एक पंखों वाला घोड़ा है जो स्वतंत्रता, प्रेरणा और वीरता का प्रतीक है। घोड़े को शक्ति, गति और बुद्धिमत्ता का प्रतीक माना जाता है। कुल मिलाकर, घोड़े को विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों में एक शक्तिशाली और पवित्र प्राणी माना जाता है, जो शक्ति, वफादारी, स्वतंत्रता, और आध्यात्मिक गुणों का प्रतीक है।

योग गुरु अग्रवाल नें वातायन आसन अश्वासन के बारे में बताया कि यह आसन पैरों, कूल्हों और पीठ की मांसपेशियों को

मजबूत करता है। लचीलापन बढ़ाता है। शरीर के संतुलन और मुद्रा में सुधार करता है। विधि- सीधे खड़े हो जाएं, पैरों को कूल्हे-चौड़ाई से अलग रखें। सांस छोड़ते हुए घुटनों को मोड़ें और कूल्हों को नीचे करें जैसे कुर्सी पर बैठ रहे हों। जांघों को फर्श के समानांतर रखें, पीठ सीधी रखें और हाथों को सामने की ओर फैलाएं। इस स्थिति में कुछ देर रुकें और सामान्य रूप से सांस लें। फिर सांस लेते हुए धीरे-धीरे शुरुआती स्थिति में आ जाएं।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया की सूर्य नमस्कार सम्पूर्ण योग अभ्यास है उसमें अश्व संचालनासन एक विशेष योग मुद्रा है, जिसमें घुड़सवारी मुद्रा बनती है जिसकी मदद से रीढ़ व जांघ की मांसपेशियों को लचीला बनाया जाता है। अश्व संचालनासन एक सरल योग मुद्रा है, जिसका अभ्यास अनुभवी व शुरुआती दोनों अभ्यासकर्ता कर सकते हैं। यह अनेक स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने वाला एक खास योगासन है, जिसकी मदद से कूल्हों और जांघ की मांसपेशियों को मजबूत बनाया जाता है। अश्व संचालनासन एक मध्यम श्रेणी का योगासन है, जो पूरी तरह से अभ्यासकर्ता के शारीरिक संतुलन व लचीलता पर निर्भर करता है। यदि अश्व संचालनासन योग मुद्रा को सही तकनीक के साथ और विशेष बातों का ध्यान रखते हुए किया जाए तो इससे कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं - अश्व संचालनासन को मेटाबॉलिज्म के लिए काफी लाभदायक योगासन माना जाता है, जिससे पाचन क्रिया को तेज करने में काफी मदद मिलती है। अश्व संचालनासन से रीढ़ की हड्डी की जकड़न दूर होती है और साथ ही पीठ की मांसपेशियां भी मजबूत हो जाती हैं। इस योग मुद्रा से पीठ में दर्द जैसी समस्याओं को भी दूर किया जा सकता है। नियमित रूप से अश्व संचालनासन अभ्यास करने से शरीर की कई महत्वपूर्ण मांसपेशियों में खिंचाव आता है और वे मजबूत हो जाती हैं। अश्व संचालनासन की मदद से चिंता, तनाव व डिप्रेशन जैसे गंभीर मानसिक रोगों को दूर करने में मदद मिल सकती है जिसे मानसिक स्थिति में सुधार होता है। हालांकि, अश्व संचालनासन से प्राप्त होने वाले स्वास्थ्य लाभ पूरी तरह से योगासन के तरीके और आपकी स्वास्थ्य स्थिति पर निर्भर करते हैं। विकलांगता या वृद्धावस्था गर्भावस्था या मासिक धर्म आना

घुड़सवारी एक प्रकार की कला है, जिसमें व्यक्ति घोड़े पर बैठ कर सवारी करता है। इसमें उसे दिशा निर्देश देना और बिना गिरे उसकी सवारी करना ही इसमें एक कला का रूप लेता है। पहले जब गाड़ी आदि वाहन नहीं होते थे। तब मनुष्य इसी पर बैठ कर दूर दूर तक सवारी करता था।घोड़ा स्वास्थ्य के लिए कई तरह से उपयोगी हो सकता है, जिनमें से घुड़सवारी एक पारंपरिक और रोमांचक गतिविधि है, जिसमें घोड़े की सवारी करना शामिल है। यह गतिविधि न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और आत्मविश्वास को भी बढ़ावा देती है। घुड़सवारी शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, क्योंकि यह मांसपेशियों को मजबूत करने, संतुलन और समन्वय में सुधार करने में मदद करती है। घुड़सवारी मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि यह तनाव और चिंता को कम करने में मदद करती है और आत्मविश्वास को बढ़ावा देती है। घुड़सवारी आत्मविश्वास को बढ़ावा देती है, क्योंकि यह व्यक्ति को अपने डर पर काबू पाने और नई चुनौतियों का सामना करने का अवसर प्रदान करती है। घोड़ा और तांगा एक पारंपरिक और ऐतिहासिक परिवहन प्रणाली है, जो कई संस्कृतियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है । तांगा एक प्रकार का घोड़े द्वारा खींचा जाने वाला वाहन है, जो आमतौर पर दो पहियों वाला होता है और घोड़े की शक्ति से चलता है । तांगा एक पर्यावरण अनुकूल परिवहन विकल्प है, क्योंकि यह जीवाश्म ईंधन की आवश्यकता नहीं होती है और वायु प्रदूषण को कम करता है । तांगा स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है, क्योंकि यह स्थानीय घोड़े के मालिकों और तांगा चालकों को रोजगार प्रदान करता है । तांगा पर्यटन उद्योग में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, क्योंकि यह पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति और इतिहास का अनुभव करने का अवसर प्रदान करता है। तांगा चलाने से घोड़े के मालिकों और चालकों को शारीरिक गतिविधि का अवसर मिलता है, जो उनके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है। तांगा एक पारंपरिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण परिवहन प्रणाली है, जो कई समुदायों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है । इसके लाभों और चुनौतियों को समझने से इसके संरक्षण और प्रचार में मदद मिल सकती है ।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

एक पेड़ माँ के नाम अंतर्गत राज्यमंत्री पटेल ने उत्कृष्ट विद्यालय में लगाया

दमोह। एक पेड़ माँ के नाम अंतर्गत पौधरोपण अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर पूरे देश में चल रहा हैं, इसी कार्यक्रम में आज यहाँ एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम में शामिल होने आए, यह मेरा पुराना स्कूल है, मैं यहीं से 6वीं से लेकर 11वीं तक पढ़ा हूँ तो ऐसे समय आया जब यहाँ प्रार्थना चल रही थी तो उसमें शामिल होने का भी अवसर मिला, पुराने दिन सारे याद आ गए, जिन कमरों में बैठते थे वह भी याद आ गए, जिन-जिन शिक्षकों ने पढ़ाया वह सारी बातें एक रील की तरह रिवर्स में चली गई तो बहुत अच्छा भी लग रहा है और पुराने याद आने से पुराने दोस्तों को भी याद आ गई, मैं प्रिन्सिपल सर और सभी स्टाफ का धन्यवाद करना चाहता हूँ। इस आशय के उद्गार उत्कृष्ट विद्यालय दमोह में आयोजित एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम में व्यक्त किए। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य आरपी पटेल, शिक्षकगण और संस्था छात्र-छात्राए मौजूद रहे। राज्यमंत्री श्री पटेल ने उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में पाम का ट्री का किया पौधरोपित।

आदान सामग्री निर्धारित दर पर ही क्रय करे, विक्रेता से पक्का बिल अवश्य लें

खरगोन । उप संचालक कृषि जिले में 18 जुलाई 2025 तक 216.90 मिमी. वर्षा हो चुकी है। जिले के उप संचालक कृषि श्री एस.एस. राजपूत द्वारा बताया गया है कि जिले में कृषि विभाग के क्षेत्रिय अमले द्वारा सतत् जिले में भ्रमण कर कृषि आदान विक्रेताओं का निरीक्षण किया जा रहा है। बीजो की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु जिले के विभिन्न बीज विक्रेताओ के प्रतिष्ठानो से कुल 383 बीज के नमूने लिये जा कर शासन द्वारा अधिकृत प्रयोगशाला में जॉच हेतु भेजे गये थे। प्रयोगशाला से प्राप्त परिणाम में 250 नमूने मानक एवं 15 अमानक पाये गये, जिनके विरुद्ध लायसेंस निलंबन की कार्यवाही की गई है। विभाग द्वारा किसानो से अपील की जाती है कि उनके द्वारा क्रय की जा रही समस्त आदान सामग्री निर्धारित दर पर ही क्रय करे तथा विक्रेता से पक्का बिल अवश्य ले।

बारापत्थर बबरिया क्षेत्र में पुलिस सहायता केन्द्र स्थापित किया जाए: भाजयुमो

सिवनी। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा से मिलकर बारापत्थर बबरिया क्षेत्र सिवनी में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। बताया कि यह स्थान प्रमुख कोचिंग संस्थान, जनप्रतिनिधियो के निवास होने के साथ अनेकों मार्गों को जोडने वाला क्षेत्र है। भाजयुमो जिलाध्यक्ष युवराज राहंगडाले ने बताया कि सिवनी में पिछले कुछ महीनों से अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और अपराधी बिना किसी डर के नगर में दहशत का माहौल पैदा कर रहे हैं और लगातार मारपीट और हत्या जैसे कृत्य कारित कर रहे हैं। नगर में कुछ लोगों के द्वारा विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थों की तस्करी की जा रही है। जिसका सेवन करने वाले युवा अनेक आपराधिक घटनाओ को अंजाम दे रहे हैं। इन सब गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए एएसपी से युवा मोर्चा प्रतिनिधिमंडल ने आग्रह किया कि बबरिया मानेगांव चौराहे पर सांय काल से चेकिंग पॉइंट एवं पुलिस सहायता केंद्र स्थापित किया जाए। जिससे इस क्षेत्र में शांति स्थापित हो सके।

ग्रेडिंग मंथ की शिकायतों का 2 दिवस में संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित कराएं-सीईओ जिला पंचायत

मंडला। जिला योजना भवन में सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा के लिए बैठक का आयोजन किया गया। सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले की रैंकिंग जारी होने में 2 दिवस का समय शेष है, इसलिए सभी विभाग प्रमुख आगामी 2 दिवस में ग्रेडिंग मंथ की शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित कराएं। जिन विभागों का निराकरण प्रतिशत जिले के औसत प्रतिशत से कम है, वे अपनी गति तेज करें।

जिला प्रबंधक ई-गवर्नेंस को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी अंतर्गत समग्र तथा आधार से संबंधित शिकायतों की शिकायतवार सूची तैयार करें। जिससे संबंधित निकायों से शिकायतवार फॉलोअप किया जा सके। बैठक में सीपी ग्राम, सीएम डैशबोर्ड, नामांकन, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरूस्ती, 50 दिवस तथा 100 दिवस से अधिक समय से लम्बित शिकायतें, मांग क्लोजर, न्यायालय से संबंधित प्रकरण, विधानसभा प्रश्नों के उत्तर आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, अरविंद सिंह, जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर क्षमा सराफ सहित संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

विकास के साथ कला और संस्कृति का समानांतर उत्थान आवश्यक - उप मुख्यमंत्री

शान-ए-विन्ध्य सम्मान समारोह में हुए शामिल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए भौतिक अधोसंरचना के साथ-साथ कला और संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन भी अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि रीवा स्थित राजकपूर ऑडिटोरियम जैसे मंचों पर स्थानीय एवं राष्ट्रीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर मिलना एक सकारात्मक पहल है, जिससे समाज में ऊर्जा और जीवंतता का संचार होता है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल शान-ए-विन्ध्य सम्मान समारोह में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि हंसाने वाले लोग समाज में विरले होते हैं। एहसान कुरैशी जी ने अपनी कला से लोगों को गुदगुदाया, यह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजनों से न केवल कलाकारों को मंच मिलता है, बल्कि युवाओं में भी रचनात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है। उन्होंने समारोह के आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि शान-ए-विन्ध्य जैसे आयोजन कलाकारों को प्रोत्साहन देने के साथ ही क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को भी समृद्ध करते हैं। उन्होंने इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तियों एवं कलाकारों को सम्मानित भी किया।

समारोह में देश के सुप्रसिद्ध हास्य कलाकार एहसान कुरैशी सहित अन्य कलाकारों ने अपनी हास्य प्रस्तुतियों से उपस्थितजन को आनंदित किया। सांसद जनार्दन मिश्र, नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवड़े सहित बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित रहे।

गबन के आरोपी प्राचार्य का जिले से बाहर हुआ तबादला

बाड़ी। शिक्षा विभाग के संकुल केन्द्र शास. कन्या उ. मा.शाला बाड़ी में पदस्थ प्राचार्य का जिले से बाहर तबादला कर दिया गया है। विवादास्पद कार्यप्रणाली से हमेशा विवादों और आरोपों से घिरे रहने वाले प्राचार्य पर गबन के आरोप में प्राथमिकी भी दर्ज है। आश्चर्यजनक है कि प्राचार्य के स्थानांतरण आदेश को भोपाल से रायसेन पहुंचने में दो माह का समय लग गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार संकुल केन्द्र शास कन्या उ. मा.शाला बाड़ी में पद्स्थ प्राचार्य घनश्याम मेहर का सीहोर जिले के भेरुंदा विकासखंड अंतर्गत शास. उ.मा .शाला गोपालपुर में स्थानांतरण कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार स्थानांतरित प्राचार्य चिकित्सा अवकाश लेकर धनबल के बलबूते अपने स्थानांतरण आदेश को निरस्त कराने की जुगत भिड़ाने में लगे है। आश्चर्यजनक है कि 28 मई को स्कूल शिक्षा विभाग के उप सचिव कमल सोलंकी द्वारा हस्ताक्षरित स्थानांतरण आदेश क्रमांक 789/2582165/2025/20-1 को रायसेन जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय तक पहुंचने में दो माह का समय लग गया। जबकि वर्तमान दौर में अमुमन सभी आदेश डिजिटल माध्यमों से भेजे जा रहे है। इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि उप-सचिव द्वारा भेजे गए स्थानांतरण आदेश को धनबल से दबाकर रखा गया था। जारी आदेश में स्थानांतरित प्राचार्य को निर्देशित किया गया है कि संस्था का समस्त प्रभार संस्था में पदस्य वरिष्ठ शिक्षक को सौंपकर कार्यमुक्त होकर जिला शिक्षा अधिकारी रायसेन कार्यालय में उपस्थिति दे। सूत्र बताते है कि आदेश की भनक लगते ही स्थानांतरित प्राचार्य ने चिकित्सा अवकाश ले लिया है तथा अपना तबादला आदेश निरस्त कराने की जुगत भिड़ा रहे है। ध्यान देने योग्य है कि स्थानांतरित हुए प्राचार्य का कार्यकाल बाड़ी में विवादों और आरोपों से घिरा रहा है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा 3 दवा दुकानों के लाइसेंस निलंबित

सिवनी। औषधि निरीक्षक औषधि प्रशासुन विभाग सिवनी ने बताया कि कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन के निर्देशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जिले में संचालित मेडिकल स्टोर्स में दुकान संचालकों द्वारा औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 व नियमावली 1945 के नियमों के पालन व उल्लंघन की जांच लगातार सतत् रूप से जारी है।

इसी क्रम में विगत दिवस बस स्टेण्ड पलारी तहसील केवलारी, भीमगढ़ कालोनी तहसील छपारा, कान्हीवाडा तहसील सिवनी में संचालित दवा दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दवा दुकानों में ड्रग लाइसेंस की वैधता, दवाओं के रख-रखाव, फार्मासिस्ट की अनुपस्थिती में हो रहे दवाओं के विक्रय, दवाओं के कम विकरा रिकार्ड, एक्सपायर्ड स्टॉक एवं प्रतिबंधित दवाओं आदि की जांच की गई। जाँच के दौरान मेसर्स हेल्थ केअर मेडिकोज कान्हीवाडा तहसील सिवनी में फार्मासिस्ट एवं संचालक की अनुपस्थिति में दवा दुकान अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा संचालित पाई गई दुकान में दवाओं के कय-विक्रय रिकार्ड व शेड्यूल एक दवाओं के विक्रय रजिस्टर संधारण नहीं पाए जाने एवं वेटनरी व एक्सपायर्ड स्टॉक पर नियमानुसार लेबल नहीं लगाये जाने एवं बस स्टेण्ड पलारी तहसील केवलारी में संचालित आराध्या मेडिकल स्टोर्स में बिना चिकित्सक के पर्चे के शेड्यूल दवाइयों को बेचा जाना पाया जाना एवं गगई रैयत भीमगढ़ कालोनी तहसील छपारा में संचालित नायर मेडिकल में एक्सपायर्ड दवाईयां ट्रेड स्टॉक के साथ विकृयार्थ संग्रहित पाई गई एवं रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट अरविंद राय अनुपस्थित पाए गए। जिसके बाद जांच प्रतिवेदन अग्रिम कार्यवाही हेतु लाइसेंसिंग ऑथोरिटी श्री स्वप्निल सिंह जिला सिवनी मुख्यालय बालाघाट की ओर प्रेषित किया गया था।

उन्होंने बताया कि लाइसेंसिग ऑथोरिटी द्वारा हेल्थ केअर मेडिकोज कान्हीवाडा के संचालक हिना खान, आराध्या मेडिकल स्टोर्स बस स्टेण्ड पलारी के संचालक अखिलेश अमरोदिया, नायर मेडिकल भीगगढ कालोनी के संचालक सुनील पगारे को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए 7 दिन में जवाब मांगा गया था। परंतु दुकान संचालकों द्वारा कार्यालय में नियत समयाविधि में जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए आराध्या मेडिकल स्टोर्स बस स्टेण्ड पलारी के संचालन हेतु जरी ड्रग लाइसेंस 05 दिवस, नायर मेडिकल भीमगढ कालोनी के संचालन हेतु जारी ड्रग लाइसेस 01 महीने एवं हेल्थ केअर मेडिकोज कान्हीवाडा आगामी आदेश तक की अवधि के लिए निलंबित किये गये है। निलंबन अवधि के दौरान प्रतिष्ठान का संबालन एवं दवाइयों का क्रय-विक्रय पूर्णतः अवैधानिक माना जाएगा व निलंबन आदेश का पालन नही पाये जाने पर दुकान संचालक के विरुद्ध प्रशासनिक एवं न्यायालीन कार्यवाही की जायेगी।

स्वास्थ्य शिविर लगाया गया, साइकिल रैली का आयोजन किया गया

भोपाल जिला साइकिल संघ ने किया आयोजन

अबेदुल्लागंज (संवाददाता)। शुक्रवार को वीर सावरकर शासकीय महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग द्वारा समाज में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत पैडल फॉर चेंज और बेसिक हेल्थ चेकअप के लिए एक स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। रैली से पूर्व सभी ने ऐरोबिक्स एवं जुम्बा डांस किया। इसके बाद महाविद्यालय से प्रारम्भ करते हुए पूरे औबेदुल्लागंज में एक साईकिल रैली का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पी. एम. ऊषा योजना के द्वारा प्रायोजित रहा। कार्यक्रम की सभी गतिविधियों का आयोजन भोपाल जिला साईकिल संघ के माध्यम से किया गया। साईकिल रैली का प्रारम्भ प्राचार्य डॉ सुनीता गुप्ता द्वारा झंडी दिखाकर किया गया। इससे पूर्व प्राचार्य के स्वागत उद्बोधन के साथ उपस्थित अतिथि (थाना प्रभारी) श्री भरत प्रताप सिंह, (सचिव, साईकिल संघ भोपाल) डॉ विशाल सिंह सेंगर, (चेयरपर्सन, सेंट्रल इंडिया ग्रुप ऑफ़ हॉस्पिटल) डॉ नितिन वर्मा को स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सफल संयोजन एवं संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ सुमित सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सम्मिलित प्रतिभागियों एवं महाविद्यालय स्टाफ के लिए 100 साईकिल, टी-शर्ट एवं रिफ्रेशमेंट की सुविधा दी गयी। इसके साथ ही बेसिक हेल्थ चेकअप का लाभ उठाते हुए विद्यार्थियों एवं महाविद्यालयी स्टाफ ने हेल्थ चेकअप करवाया। जिसमें सेंट्रल ग्रुप ऑफ़ हॉस्पिटल की पूरी टीम द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। साईकिल रैली के दौरान शासकीय चिकित्सालय औबेदुल्लागंज द्वारा एम्बुलेंस की सुविधा प्रदान की गयी और औबेदुल्लागंज थाने द्वारा सुरक्षा प्रदान की गयी। कार्यक्रम में महाविद्यालय का समस्त सम्मानित स्टाफ विद्यार्थी एवं मीडिया के सम्मानित सदस्य भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना नवांकुर इकाई का अभिमुखीकरण कार्यक्रम संपन्न

दैनिक सांध्य प्रकाश, गंज बासौदा । राष्ट्रीय सेवा योजना नवांकुर इकाई का अभिमुखीकरण कार्यक्रम डॉल्फिन कैंपस में संपन्न हुआ, इस अवसर पर अतिथियों के रूप में पंचतत्व समिति के अध्यक्ष श्री सुरेंद्र दांगी, सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव, पंचतत्व समिति के पदाधिकारीगण राकेश पुरोहित, विजय अग्रवाल, राजेंद्र व्यास,समिति के कोषाध्यक्ष प्रमोद राजपूत, नवांकुर विद्यापीठ के प्राचार्य शैलेंद्र कुमार दीक्षित तथा डॉल्फिन प्राचार्य संदीप नारायण जेटली मंचासीन थे।कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा रोली चंदन व पुष्पमालाओं से सरस्वती माता का पूजन किया गया व दीप प्रज्ज्वलित किया गया।तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी अभिषेक मिश्रा ने अतिथियों के स्वागत में भाषण प्रस्तुत किया।यह कार्यक्रम दो चरणों में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में राष्ट्रीय सेवा योजना का अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें स्वयं सेवक ऋषभ रघुवंशी, प्रिंस रैकवार, कृष्ण यादव ने राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम, स्थापना के उद्देश्य व महत्व के बारे में बताया।अंशिका साहू, दिव्यांश सोनी तथा श्री शर्मा ने भी प्रस्तुतियाँ पेश की। गायन दल ने विधि साक्षरता पर आधारित गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में पर्यावरण संरक्षण पर आधारित संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तीन स्थानों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। अतिथि संबोधन की श्रृंखला में सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव ने छात्रों को कैरियर मार्गदर्शन दिया तथा नवांकुर विद्यापीठ के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। पंचतत्व समिति के कोषाध्यक्ष प्रमोद राजपूत ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित संबोधन दिया।

कार्यालय नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

MUNICIPAL CORPORATION CHHINDWARA

Add. In Frount of Shukla Ground, Ward no. 39 Chhindwara (M.P.) Pin 480001
Tel. - 07162-222346 Email:- commchhindwara@mpurban.gov.in

क्रमांक /2413/रा.शा./न.पा.नि./2025 छिन्दवाड़ा, दिनाँक 16/7/2025

।। निकाय स्वामित्व के विभिन्न कॉम्पलेक्सों की दुकानों का अन्तरण किये जाने निविदा सूचना ।।

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि निकाय स्वामित्व के विभिन्न कॉम्पलेक्सों की दुकानों का अन्तरण मध्यप्रदेश नगर पालिका अचल सम्पत्ति का अन्तरण नियम में दिये गये प्रावधान अनुरूप निर्धारित शर्तों के अधीन 30 वर्ष की लीज पर अंतरण किये जाने हेतु लम्प-सम्प दर पर ऑन-लाईन निविदा बुलाई जा रही है। निविदा का विस्तृत विवरण पेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है। निविदादाता जो वेबसाईट में पंजीकृत है. इस निविदा में दरें प्रस्तुत कर सकते है। अन्तरण से संबंधित नियम, शर्तें एवं आरक्षण से संबंधित जानकारी एवं अन्य विवरण कार्यालयीन दिवस में राजस्व (दुकान) शाखा में देखी जा सकती है। आरक्षित दुकान में भाग लेने हेतु जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। विवरण निम्नानुसार है-

स्थल - पुरामी सब्जी मंडी, दीनदयाल पार्क के पास स्थित कॉम्पलेक्स में प्रथम तल की 02 दुकानें

टेण्डर क्र.	दुकान क्र.	साईट (वर्गफीट में)	निर्धारित प्रीमियम (रूपये में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपये में)	आरक्षण की स्थिति
UAD_2024_383738_4	16	160	17,05,000	1,75,000	1,000	अनारक्षित
UAD_2024_383739_4	17	160	17,00,000	1,70,000	1,000	अनारक्षित

स्थल - पुरानी सब्जी मंडी, सुलभ शौचालय के पास स्थित कॉम्पलेक्स में प्रथम तल की 02 दुकानें

टेण्डर क्र.	दुकान क्र.	साईट (वर्गफीट में)	निर्धारित प्रीमियम (रूपये में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपये में)	आरक्षण की स्थिति
UAD_2024_383741_4	03	254	23,00,000	2,30,000	1,000	अनारक्षित
UAD_2024_383742_4	04	310	23,30,000	2,35,000	1,000	अनारक्षित

स्थल - राजीव गांधी ऑटो वर्क्स, मठिक नर्सिंग होम के पास दुकान क्रमांक 20 एवं 21 के मध्य की सीढ़ी वाली दुकानें

टेण्डर क्र.	दुकान क्र.	साईट (वर्गफीट में)	निर्धारित प्रीमियम (रूपये में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपये में)	आरक्षण की स्थिति
UAD_2024_383744_4	20/A	68.62	10,13,000	1,20,000	1,000	अनारक्षित

स्थल - पूर्व मथुरा प्रसाद स्कूल से लगी हुई राज टॉकीज रोड पर स्थित कॉम्पलेक्स में प्रथमतल की 02 दुकानें

टेण्डर क्र.	दुकान क्र.	साईट (वर्गफीट में)	निर्धारित प्रीमियम (रूपये में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपये में)	आरक्षण की स्थिति
UAD_2024_383753_4	05	205	10,00,000	1,00,000	1,000	अनुसूचित जाति
UAD_2024_383754-4	09	205	10,00,000	1,00,000	1,000	अनुसूचित जनजाति

स्थल - मोहन मार्केट प्रथमतल की 01 छत

टेण्डर क्र.	छत क्र.	साईट (वर्गफीट में)	निर्धारित प्रीमियम (रूपये में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपये में)	आरक्षण की स्थिति
	13	194	24,00,000	6,00,000	1,000	अनारक्षित

स्थल - इमलीखेड़ा चौक बैतुल रोड़ स्थित ब्लॉक ए कॉम्पलेक्स की 01 दुकान

टेण्डर क्र.	दुकान क्र.	साईट (वर्गफीट में)	निर्धारित प्रीमियम (रूपये में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपये में)	आरक्षण की स्थिति
UAD_2024_366186_4	02	220	22,50,000	2,25,000	1,000	अनारक्षित

स्थान: इमलीखेड़ा चौक नागपुर रोड़ स्थित कॉम्पलेक्स की 03 दुकानें

टेण्डर क्र.	दुकान क्र.	साईट (वर्गफीट में)	निर्धारित प्रीमियम (रूपये में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपये में)	आरक्षण की स्थिति
UAD_2024_383742_3	20	280	12,00,000	1,20,000	1,000	अनारक्षित
UAD_2024_383747-3	29	280	12,00,000	1,20,000	1,000	अनारक्षित
UAD_2024_383749.3	39	246	20,00,000	2,00,000	1,000	अनारक्षित

आयुक्त
नगर पालिक निगम, छिंदवाड़ा

मृत नीरज राजपूत की मौत पर पिता ने की कलेक्टर से 5 बिंदुओं पर जांच

सांध्य प्रकाश, इटारसी । नाम बड़े और दर्शन खोटे जैसी कहावत इटारसी के एक हॉस्पिटल पर चरित्रार्थ हो रही है,इस हॉस्पिटल में लंबे समय से संदेहास्पद इलाज के दौरान कथित तौर पर मौत होने के अनेक मामले सामने आ रहे हैं। हाल ही में 4 जुलाई को भर्ती हुए नीरज राजपूत का मामला सामने आया है जिसे इमरजेंसी के नाम पर वेंटिलेटर पर एडमिट किया और जब इलाज के दौरान 13 बाटल ब्लड लगाने के बाद भी मरीज की हालत सुधरने के बजाय गंभीर होते तब परिजनों ने जबरदस्ती डिस्चार्ज मांगा , अस्पताल ने उसे रेफर किया ओर बाद उसकी मौत हो गई। इस मामले को लेकर मीडिया में हवा मिली तो शहर के अनेकों प्रताड़ित लोग खुलकर सामने आने लगे हैं । उन्होंने भी अस्पताल में हुए कथित इलाज के खिलाफ विरोध में विरोध में सुर में सुर मिलाना शुरू कर दिया है।

बताया जाता है कि ऐसा ही एक मौत का मामला पूर्व में नगर पालिका कर्मचारी यादव की पत्नी के साथ हुआ था ,जिसमें इलाज में मौत पर परिजनों ने जमकर विरोध किया था पर पोस्टमार्टम ना होने देने के कारण मामला ठंडा बस्ते में चला गया था। परंतु अब 4 जुलाई को एक्सीडेंट में घायल भर्ती दयाल हॉस्पिटल नीरज राजपूत की मौत ने शहर के लोगों का दिल दहला दिया है। परिजनों का कहना है कि दयाल हॉस्पिटल इमरजेंसी सुविधा के नाम पर लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहा है। 23 वर्षीय नीरज राजपूत की मौत के बाद पिता धनपाल सिंह राजपूत ने नर्मदापुरम कलेक्टर , के नाम एक आवेदन देकर शिकायत की है जिसमें निष्पक्ष जांच के लिए कहा गया है। धनपाल सिंह राजपूत द्वारा? कलेक्टर को पांच बिंदुओं पर शिकायत की गई है वह इस प्रकार है।

राजपूत को 4 जुलाई 2025 को रात 11ः00 बजे दयाल हॉस्पिटल में भर्ती किया गया। उसका ऑपरेशन 5 जुलाई को सुबह 11 बजे किया गया , इस दौरान ऑपरेशन के पहले 12 घंटे तक आईसीयू में किस डॉक्टर ने इलाज किया, क्या वह डॉक्टर क्रिटीकल केयर(आईसीयू)करने में निपुण था अथवा नही क्या अनक्वालिफाइड-बीएमएस डॉक्टर से ईलाज कराया गया था जहां उसे आईसीयू का ज्ञान ही नही था। ओर वह मरीज के साथ 12 घंटे तक ईलाज में खिलवाड़ करतें रहा ? ।

दयाल डॉक्टर द्वारा किए गए कथित ईलाज के बाद रेफर मरीज कि मौत की पुष्टि होने का समाचार, समाचार पत्रों में सत्यता से प्रकाशित हुआ, जिसके बाद डॉक्टर दयाल द्वारा आईएमए के सदस्यों के साथ ईश्वर रेस्टोरेंट में 11 जुलाई को एक प्रेस वार्ता का आयोजन कर अपना पक्ष रखते हुए कहा की मरीज का मल्टी आर्गन फेल्योर हो चुका था। उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया किस समय ? क्या आपरेशन करने के पुर्व मल्टी आर्गन फेल्योर हुआ था, ओर हां तो आपरेशन क्यों किया। ओर फेल्योर आपरेशन के बाद हुआ था तो उच्च ईलाज के लिए अतिशीघ्र रेफर क्यों नहीं किया ?। जहां सिद्ध होता है कि संसाधनों की कमी के बाद भी दयाल डाक्टर अपने हास्पिटल में मरीज के उपर प्रयोग करते रहा ओर पैसे ऐंठते रहा।अगर मरीज को समय पर रेफर करने से उच्चतम प्राथमिकता मिल जाती तो उसकी जान बचाई जा सकती थी ।

पंचतत्व ने यह ठाना है, हर हाथ से पौधा लगाना है अभियान के अंतर्गत विभिन्न किस्मों के पौधे लगाए

दैनिक सांध्य प्रकाश, गंज बासौदा। बरीघाट रोड स्थित चौरावर में क्रेशर यूनियन के सदस्यों ने ओर पंचतत्व संरक्षण समिति ने जामुन,पीपल,आम,सीताफल,बरगद,नीम, बेलपत्र, आंवला,गुलमोहर ओर सप्तपर्णी जैसे किस्मों के 25 पौधों का रोपण किया, जिनके संरक्षण की जवाबदारी क्रेशर यूनियन के सदस्यों ने ली है ,विदित हो यूनियन के सदस्यों ने क्रेशर क्षेत्र में एक लगभग 15000 वर्गफिट की जगह को चारों ओर जाली लगाकर भैरोंबाबा एवं सिद्ध बाबा स्थल बनाया है, इसी बाउंड्री के अंदर पौधों को लगाया गया है, यूनियन के सभी सदस्यों ने इन पौधों को सुरक्षित कर पेड़ बनाने का संकल्प लिया है, पौधे पंचतत्व समिति के वरिष्ठ सदस्य विजय सोलंकी ने उपलब्ध कराएं हैं .इस अवसर पर पंचतत्व के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह दांगी, प्रमोद सिंह राजपूत, मनोज राठौर,संजय भंडारी, मंगल सिंह राजपूत, ईश्वर सिंह, मुकेश रघुवंशी, अब्दुल मतीम, जीवन वैष्णव, अनंत सिंह, गोलू यादव, झब्बू, राकेश आदि उपस्थित थे।

सेवा, समर्पण और संस्कार से लगातार पीड़ित मानवता की सेवा ही सच्ची सेवा है: उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री शुक्ल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ रोटरी क्लब जबलपुर का पदभार ग्रहण समारोह

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के मुख?य आतिथ्य में गुलजार होटल में रोटरी क्लब जबलपुर का पदभार ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रोटरी क्लब जबलपुर की नव गठित टीम को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सेवा कार्य शासन और प्रशासन द्वारा तो किए ही जाते हैं। रोटरी क्लब द्वारा भी इस दिशा में कार्य किया जा रहा है।

समाज में सेवा, समर्पण और संस्कार की भावना से लगातार पीड़ित मानवता की सेवा ही सच्ची सेवा है, जिसमें रोटरी क्लब नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। कोविड काल में रोटरी क्लब का कार्य मानवता की सेवा के क्षेत्र में गौरवशाली रहा है। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे देश आर्थिक रूप से सक्षम हो रहा है। दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बनने की ओर है। पहले जन कल्याण के लिए फंड की कमी होती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है, पर्यावरण, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि क्षेत्र में जन कल्याण के लिए लगातार वृहद स्तर पर कार्य किये जा रहे हैं। इन कार्यों को करने में सरकार मजबूती से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब भी मानवता की सेवा, समर्पण और जबलपुर संस?कारधानी के संस्कार के अनुरूप कार्य कर संस्था को गौरवांवित करें। राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि रोटरी निस्वार्थ सेवा का एक मार्ग है। यहां अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े लोग मानवता की सेवा के लिए संकल्प लेते हैं और मानवता की सेवा के लिए समर्पित रहते हैं। उन्होंने नव गठित रोटरी क्लब की टीम को शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, सांसद आशीष दुबे, सांसद द्वय सुमित्रा वाल्मीकि, विधायक लखन घनघोरिया, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, रोटरी क्लब की अध्यक्ष मिताली बैनर्जी, पूर्व सांसद जयश्री बैनर्जी, अमित जायसवाल, पल्लवी जायसवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आईईएचई भोपाल में फोरेंसिक विज्ञान विभाग के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

भोपाल। उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल में दिनांक 18/07/2025 को %फॉरेंसिक विज्ञान विभाग% के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। ज्ञातव्य है कि संस्थान का यह विभाग 18 जुलाई, 2018 को स्थापित किया गया था। इसी उपलक्ष्य में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विभाग ने अपने गौरवशाली इतिहास और उपलब्धियों का उत्सव मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के संचालक व मार्गदर्शक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल, पधारे गणमान्य प्राध्यापकों द्वारा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। सर्वप्रथम विद्यार्थियों को संस्थान के %हरित वसुंधरा% प्रकोष्ठ द्वारा अपने-अपने जन्मदिवस पर संस्थान प्रांगण में अनिवार्य रूप से एक-एक पौधा रोपित करने की शपथ दिलवाई गई। इस बीच विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अंजलि आचार्य द्वारा विभाग की स्थापना, प्रगति और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। इसके साथ ही सभी प्राध्यापकों व विद्यार्थियों ने विभाग में संचालित विभिन्न फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं का भ्रमण भी किया, जहां विद्यार्थियों और आगंतुकों को फॉरेंसिक विज्ञान की आधुनिक तकनीकों व उपकरणों के बारे में जानकारियाँ साझा की गई। इस अवसर पर विभाग के विद्यार्थियों और कर्मचारियों को पुरुस्कृत भी किया गया, साथ ही विभिन्न मनोरंजक व ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुईं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों, भाषण और पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में संयोजक की भूमिका फॉरेंसिक विभाग के ही %परख सोसाईटी% प्रकोष्ठ ने निभाई। उक्त कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी व विभिन्न प्राध्यापक फोरेंसिक विज्ञान के मूल सिद्धांतों, प्रयोगों व कार्यप्रणाली से परिचित हो सके, साथ ही उन्हें विभाग की गौरवशाली परंपरा के साथ-साथ फॉरेंसिक क्षेत्र में रोजगार के अवसरों व चुनौतियों की विस्तृत जानकारी भी प्राप्त हुई।

मप्र स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज आर्गेनाइजेशन की वार्षिक साधारण सभा में नई कार्यकारिणी घोषित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मप्र स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज आर्गेनाइजेशन की 65वीं वार्षिक साधारण सभा संपन्न हुई। इसमें वर्ष 2025-27 के लिए सम्पन्न चुनाव के परिणामों की जानकारी मुख्य चुनाव अधिकारी आर.जी. द्विवेदी एवं मनोज झा चुनाव अधिकारी द्वारा दी गई। आर्गेनाइजेशन की नव निर्वाचित कार्यकारिणी में राज्य स्तरीय पदाधिकारी अध्यक्ष सुबोध कुमार जैन जबलपुर, उपाध्यक्षद्वय मंजीत सिंह चावला खरगोन, सुधीर कुमार मिश्रा कटनी, महासचिव विपिन कुमार जैन भोपाल, सचिव द्वय सुनील भार्गव भोपाल तथा सैयद फरीद बुरहानपुर, कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार मित्तल ग्वालियर, संयुक्त सचिव द्वय राजीव अग्रवाल मण्डीदीप तथा प्रदीप मित्तल विदिशा तथा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से 13 क्षेत्रीय उपाध्यक्ष,13 सेत्रीय संयुक्त सचिव तथा 20 कार्यकारिणी सदस्य शामिल है। कार्यक्रम के प्रारंभ में अपने स्वागत उद्बोधन मे विपिन कुमार जैन, निवृत्तमान अध्यक्ष एनपीएसएसआईओ ने अपने संक्षिप्त एवं सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि, वर्ष 1960 से प्रारंभ यह संस्था प्रदेश में एमएसएमई के विकास हेतु निरंतर प्रयासरत रही है। लघु उद्योगों की विपणन समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से लघु उद्योग निगम की स्थापना से लेकर माज कार्यशील जिला स्तरीय से लेकर राज्य स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड का गठन हो या शासकीय निर्णयों के भागीदारी संस्था की महतपपूर्ण भूमिका रही है। मुझे यह बताते हुये गर्व है कि, आज हम करीब 50 जिलों में संस्था का प्रतिनिधित्व कर रहे है। उद्योग के प्रत्येक क्षेत्र चाहे वो खाद्य आधारित हो, इन्जीनियरिंग हो, फार्मा क्षेत्र हो, आई.टी. सेक्टर हो, और से करीब 20 क्षेत्रों को हम अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं। राष्ट्र की करीब 50 औद्योगिक एवं व्यापारिक संस्थानां से संस्था का निरंतर संपर्क है तथा प्रदेश की करीब ऐसी 60 संस्थान संस्था से संपर्क में है, जिसके माध्यम से हम एमएसएमई की आवश्यकताओं की पूर्ति करने का प्रयास करते है। नव निर्वाचित अध्यक्ष सुबोध कुमार जैन ने कहा कि, आज मैं गर्व महसूस कर रहा हूँ। तीन उपलब्धियों अपने कार्यकाल में प्राप्त करना है।प्रदेश की प्रत्येक एमएसएमई तक इस संस्था को पहुँचाना। शासन के साथ बैठकर प्रदेश में एमएसएमई के विकास को आगे बढ़ाना। एक सुदृढ़ सेतु का कार्य करना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों को साकार करते हुये एमएसएमई की भागीदारी 60 प्रतिशत से ज्यादा करना जो आज करीब 30 प्रतिशत है।

भोपाल। की बेगमों ने होटल जेहान नुमा पैलेस में अपनी 2100 सदस्य संख्या पूरी होने पर जश्न मनाया।

प्रधानमंत्री के ड्रीम गिफ्ट सिटी की जिम्मेदारी गुजरात सरकार ने केरल कैडर के IAS को सौंपी!

नई दिली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी गुजरात सरकार ने संजय कौल को सौंपी है। 2001 बैच के आईएएस ऑफिसर पूर्व में केरल के चुनाव आयुक्त भी रह चुके हैं। कौल के कंधों पर अब गिफ्ट सिटी को शिखर पर ले जाने की जिम्मेदारी होगी। संजय कौल को गिफ्ट सिटी का नया एमडी और सीईओ नियुक्त किया है। अभी तक यह जिम्मेदारी तपन रे के पास थी।

गुजरात के गांधीनगर में स्थित गिफ्ट सिटी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टॉप पांच प्रोजेक्ट में शामिल हैं। मोदी का सपना गिफ्ट सिटी को फिनटेक हब के तौर विकसित करने का है। सामान्य स्थिति में संजय कौल इस पर अगले तीन साल तक रहेंगे।

गिफ्ट सिटी के एमडी और सीईओ तपन रे सेवानिवृत्त हो गए हैं। गुजरात सरकार ने एक आदेश में कहा है कि तपन रे फिलहाल संजय कौल के चार्ज लेने तक पद पर रहेंगे। पिछले महीने, गुजरात सरकार ने केंद्र को एक अनुरोध भेजकर इस प्रमुख पद के लिए कौल की सेवाओं का अनुरोध किया था। 2001 बैच के आईएएस अधिकारी कौल गुजरात के मूल निवासी हैं। इससे पहले 2011 से 2016 के बीच अंतर-राज्यीय प्रतिनियुक्ति पर राज्य प्रशासन में कार्य कर चुके हैं। इससे पहले, वह अपने गृह कैडर, केरल में मुख्य निर्वाचन अधिकारी थे। 2016 से 2024 के बीच, उन्होंने केरल में गृह, वित्त, बंदरगाह, उद्योग, बिजली, कर एवं पंजीकरण, तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति सहित कई प्रमुख विभागों में भी पद संभाले हैं।

गुजरात में यह उनकी दूसरी पारी

आईएएस संजय कौल गुजरात में दूसरी पारी खेलेंगे। वह गुजरात में अपने पहले कार्यकाल (फरवरी 2011 से मई 2016) के दौरान, कौल गुजरात पर्यटन निगम और गुजरात इंफॉर्मेटिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रहे थे। कौल का जन्म और पालन-पोषण वडोदरा में हुआ था। गुजरात में गिफ्ट सिटी ही एकमात्र ऐसी जगह है जहां पर लाइसेंस के साथ शराब पीने की छूट हैं। गुजरात सरकार ने दिसंबर 2023 में शराबबंदी के नियमों में बदलाव करके गिफ्ट सिटी में शराब पीने की छूट दी थी, ताकि गिफ्ट सिटी विदेश निवेश और एक अंतरराष्ट्रीय लाइफ स्टाइल को मेंटेन किया जा सके।

विद्यालय के छत मरम्मत कार्य का भूमिपूजन किया

भोपाल। आज महापौर मालती राय ने वार्ड 33 भीम नगर में लग भग 25 लाख की लागत से विद्यालय के छत मरम्मत कार्य का भूमिपूजन किया इस अवसर पर विधायक श्री भगवानदास सबनानी जी, एमआईसी सदस्य श्री आर के सिंह बघेल एवं रहवासीगण उपस्थित

जुलाई के तीसरे हफ्ते में सोने व चांदी की कीमतों में बदलाव का बन रहा क्रम

मुंबई, एजेंसी। जुलाई के तीसरे हफ्ते में सोने व चांदी की कीमतों में बदलाव का क्रम लगातार बना हुआ है। अगर आप आज शनिवार को सोना या चांदी खरीदने की सोच रहे है तो पहले ताजा भाव जान लें। आज सोने के दाम में 610 प्रति 10 ग्राम और चांदी के रेट मे 2100 प्रति किलो का उछाल आया है। नई कीमतों के बाद सोने के भाव 1 लाख पार और चांदी के दाम 1.16 लाख पर ट्रेंड कर रहे है।

आज शनिवार को सराफा बाजार की ओर जारी सोने और चांदी के अनुसार आज 19 जुलाई 2025 को 22 कैरेट सोने के दाम 91,850 , 24 कैरेट का भाव 1,00,190 और 18 ग्राम सोने का रेट 75,150 रुपए पर ट्रेंड कर रहे है। वहीं 1 किलो चांदी का रेट 1, 16,000 हजार रुपए चल रहा है।

18 कैरेट सोने का आज का भाव: दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 75 150रुपये। कोलकाता और मुंबई सराफा बाजार में 75, 030 रु पये। इंदौर और भोपाल में सोने का भाव 75, 070 चल रहा है। चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 75, 550/- रुपये पर ट्रेड कर रही है।

22 कैरेट सोने का आज का भाव: भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 91, 750रुपये। जयपुर, लखनऊ, दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 91,850 रुपये। हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई सराफा बाजार में 91,700रुपये ट्रेंड कर रहा है।

24 कैरेट सोने का आज का भाव: भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 1,00,190 रुपये। दिल्ली जयपुर लखनऊ और चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 1,00,040 पये। हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू और मुंबई सराफा बाजार में 1,00,090 रुपये। चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 1,00,040 रुपये पर ट्रेंड कर रहा है।

महिला बंदियों ने सीखा संवाद, संवेदना और सपनों को संवारने का हुनर

भोपाल। कभी टूटी हुई उम्मीदों के सहारे जी रही केन्द्रीय जेल भोपाल की महिलाएं अब सपनों को नया आकार दे रही हैं। केंद्रीय जेल के महिला वार्ड में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में जब इन महिला बंदियों ने रंगों और शब्दों के ज़रिये अपनी ज़िंदगी को कागज़ पर उकेरा, तो वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें गर्व से नम हो गई। यह कार्यशाला मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग और तिनका-तिनका फाउंडेशन के सहयोग से टीवी और समाचार पत्रों के माध्यम से सुधार और व्यक्तित्व विकास विषय पर आयोजित की गई थी। कार्यशाला में महिला बंदियों ने न सिर्फ संवाद के गुर सीखे बल्कि आत्मविश्लेषण, सुधार और एक बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर होने का संकल्प भी लिया। 56 वर्षीय पुतलीबाई, जो कभी अनपढ़ थीं, आज अख़बार पढ़ती हैं, टीवी समाचार देखती हैं और चित्र बनाना जानती हैं। भावुक होकर उन्होंने कहा मेरा जीवन बहुत कठिन था। लेकिन यहां मैंने पढ़ना, चित्र बनाना और अपने भीतर छिपी शक्ति को पहचानना सीखा है। परिवार में औरत की ज़िंदगी कहीं ज़्यादा कठिन होती है। यहां मुझे आज़ादी महसूस होती है। कल्पना, जो किन्नर समुदाय से हैं, ने कहा बाहर हमारे साथ भेदभाव होता है, यहां नहीं। यहां पढ़ाई की, कुछ नया करने की प्रेरणा मिली। अब मैं बाहर जाकर फैशन डिज़ाइनर बनना चाहती हूं।

बैंक राष्ट्रीयकरण की 56वीं वर्षगांठ: AIBEA ने निजीकरण के खिलाफ दिया बड़ा संदेश

रायपुर। ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन (AIBEA) ने 19 जुलाई 2025 को बैंक राष्ट्रीयकरण की 56वीं वर्षगांठ पर सार्वजनिक बैंकों की रक्षा और निजीकरण के विरोध में बड़ा ऐलान किया। महासचिव सी.एच. वेंकटचेलम द्वारा जारी सर्कुलर में AIBEA ने बैंकिंग क्षेत्र को लेकर कई अहम मुद्दे और आंकड़े सामने रखे।

1969 में देश के बड़े निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ, जिससे आम जनता की जमा पूंजी सुरक्षित हुई और बैंक कारोबारियों के दबदबे से निकलकर लोगों तक पहुंचे। उस समय AIBEA के संघर्ष से बैंकों को सार्वजनिक क्षेत्र में लाया गया।

राष्ट्रीयकरण के बाद बैंकों की उपलब्धियां: बैंक शाखाएं 8,200 से बढ़कर 90,000, ग्रामीण शाखाएं 500 से बढ़कर 35,000, कुल जमा राशि 5,000 करोड़ से बढ़कर 140 लाख करोड़। कुल ॠश वितरण 3,500 करोड़ से बढ़कर 110 लाख करोड़। प्राथमिक क्षेत्र को ऋण 40 प्रतिशत से ज़्यादा। र्मचारी संख्या 1 लाख से बढ़कर 8 लाख।

AIBEA का कहना है कि सार्वजनिक बैंकों ने देश की आर्थिक रीढ़ को मजबूत किया, किसानों, मजदूरों व छोटे कारोबारियों तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाईं।

निजी बैंकों का असफल रिकॉर्ड, बार-बार संकट: AIBEA ने साफ कहा है कि 1969 से 2024 के बीच कुल 22 निजी बैंक विफल हुए और बाद में सार्वजनिक बैंकों में मिलाए गए। इनमें बैंक ऑफ बिहार, नेशनल बैंक ऑफ लाहौर, यूनाइटेड वेस्टर्न बैंक सहित कई नाम हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि जिन बैंकों को निजी हाथों में सौंपा गया, वे बार-बार संकट में पड़े और आम जनता की पूंजी डूबी।

एनपीए का बढ़ता संकट और उसकी वजहें

AIBEA ने बताया कि बीते दो दशकों में बैंकों को गैर-निष्पादित कर्ज (एनपीए) का बड़ा संकट झेलना पड़ा। 2012-1,17,000 करोड़ 7 2016-5,39,955 करोड़, 2018: 8,95,601 करोड़ 7 2025: 2,90,347 करोड़। हालांकि, हाल में इनमें गिरावट दिखाई गई है, ढ्ढक्च्ह्र मानती है कि ये कई बार 'write-off' या रीकवरी में कटौती का नतीजा है, असली घाटा वसूली नहीं हुआ।

IBC और कॉर्पोरेट छूट- किसे फायदा, किसे नुकसान?

AIBEA ने आरोप लगाया कि IBC के जरिए बड़े कॉर्पोरेट्स को भारी छूट दी गई। Essar Steel, JSW, Vedanta, Adani जैसे नामी समूहों ने बड़ी कंपनियां भारी कर्ज में होने के बावजूद सस्ते में खरीद लीं, जिससे बैंकों को बड़ा घाटा हुआ।

बैंकों की कमाई पर एनपीए का साया: 2017-18 में बैंकों ने 1,55,585 करोड़ कमाए लेकिन एनपीए के कारण 85,370 करोड़ का घाटा हुआ। 2024-25 में 3,13,058 करोड़ का सकल लाभ लेकिन 1,87,056। AIBEA ने कहा कि आम जनता, किसान, छात्र और छोटे व्यापारी की जरूरतों को दरकिनार कर, बैंकों का पैसा औद्योगिक घरानों की छूट व माफियों में डूब रहा है।

AIBEAने सभी बैंक कर्मचारियों और जनता से आह्वान किया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को बचाना, निजीकरण की कोशिशों को विफल करना और बैंकिंग को जनता के अधिकार में बनाए रखना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों को जागरूक रहने, चुनौतियों को पहचानने और सशक्त बनकर अपनी भूमिका निभाने का संदेश दिया।

एक पेड़ माँ के नाम हनुमान लोक जामसांवली में पौधरोपण हुआ

सौसर। चमत्कारिक श्री हनुमान मंदिर (हनुमान लोक) परिसर, जामसांवली में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और माताओं के सम्मान में वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर कलेक्टर पांढुर्णा अजय देव शर्मा, अनुविभागीय अधिकारी एवं प्रशासक न्यास सद्धार्थ पटेल,मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम से सहायक यंत्री श्रीमती प्रियंका पटेल, मुकेश साहू संस्थान के संरक्षक दादाराव बोबडे, अध्यक्ष गोपाल शर्मा, उपाध्यक्ष संतोष डवरे, जिला अध्यक्ष भाजपा एवं ट्रस्टी संदीप मोहोड़, सचिव टीकाराम कारोकर, साथ ही ट्रस्टी गण मनोहर शेलकी, श्रीराम डवरे, भीमराव वाकोड़े, भास्कर गुड़धे, दिलीप बत्रा, राजू बविस्टाले, नीलेश खंडाईत, प्रोजेक्ट मैनेजर उज्ज्वल सनाढ्य, राघव शर्मा , आदित्य बाबरिया जी समेत संस्थान के अधिकारी गण एवं कर्मचारी उपस्थित थे।कलेक्टर अजय देव शर्मा जी ने अपने संबोधन में अभियान के महत्व और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया, यह रेखांकित करते हुए कि हमारी धरती को बचाने के लिए ऐसे प्रयास आवश्यक हैं।

नागपुर-इन्दौर छिंदवाड़ा होते हुये चले त्रिशताब्दी ट्रेन

छिंदवाड़ा। नागपुर से इन्दौर चलने वाली त्रिशताब्दी एक्सप्रेस गाड़ी नं. 12914 सप्ताह में एक दिन चलती है, इस ट्रेन को छिंदवाड़ा होते हुये नागपुर तक चलाना चाहिये यह ट्रेन शाम 7 बजे नागपुर से छूटती है और सुबह इन्दौर पहुंचती है। इस ट्रेन के चलने से व्यापार बढ़ेगा।

खेत में काम के दौरान तेंदुए के हमले से महिला की मौत

छिन्दवाड़ा। पश्चिम वन परिक्षेत्र परासिया के भोकई गांव में खेत मे काम करने के दौरान तेंदुए के हमले से एक महिला की मौत हो गई। सूचना मिलते ही वन अमला और

पुलिस अमला मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया। पंचनामा कार्रवाई के बाद ग्रामीणों के समक्ष महिला का शव पुलिस ने अभिरक्षा में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रात्रि 12 बजे परिजनों की उपस्थिति में परासिया भेजा गया। बताया जा रहा है कि महिला अपने खेत में मवेशी के लिए चारा लेने गई हुई थी। वन परिक्षेत्र अधिकारी परासिया अलका भूरिया के मुताबिक बीती रात दूरभाष पर सूचना मिली। भोकई बीट के कक्ष क्रमांक 734 में तेंदुए के हमले से एक महिला की मौत हो गई है। सूचना मिलते ही मौके पर वन अमला पहुंचा। अमले ने देखा कि एक महिला का शव पेट के बल पड़ा हुआ था। जिसके सिर, चेहरे और जबड़ा में गहरे घाव के निशान पाए गए। ग्रामीणों से पूछताछ करने पर मृतिका का नाम चंपी बाई पति रामायण ढाकरिया उम्र 45 वर्ष निवासी उरधन बताया गया । मृतक के पति रामायण ने बताया कि वह खेत गई हुई थी। शाम को वह घर नहीं पहुंची। पता साजी करने पर उसका शव खेत में मिला। जिसकी सूचना गांव में दी गई। वन विभाग की टीम घटना स्थल पर वन्यप्राणी के साक्ष्य की पुष्टि कर रही है। साक्ष्यों एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी । बता दें कि बीते दिन ग्राम भोकई से कुछ दूर स्थित जमुनिया पठार गांव में एक किसान की बकरी का शिकार किया था।

वन विभाग ने दी अंत्येष्टि सहायता राशि

गुरूवार को पीएम के बाद मृतका का शव परिजनों को सौंप दिया गया। वनविभाग ने तात्कालिक सहायता राशि प्रदान की। नियमानुसार कार्यवाही के बाद विभाग द्वारा मृतिका के परिजनों को 8 लाख रुपए मुआवजा राशि दिए जानें का प्रवधान है।

नेताजी उड़ा रहे दावत, किसान व आमजन त्राहि-त्राहि: कांग्रेस

छिन्दवाड़ा। भूख बड़ी चीज है साहब, पेट वो कुंआ है जो कभी भरता ही नहीं, स्वाद मुंह लगा तो वह समय, काल व परिस्थियां भी नहीं देखता। नेताजी की भूख, जिह्वा बढ़ती ही जा रही है, इसीलिये वे स्वयं के पेट को भरने के लिए इतने आतुर रहते हैं कि उन्हें जिले के किसानों के बीच खाद के लिए मची त्राहि-त्राहि दिखाई नहीं दे रही, मक्का पर खाद डालेंगे तभी तो फसल पककर तैयार होगी, लेकिन यह बात केवल किसान समझ सकता है, मक्का का स्वाद चखने वाला नहीं। बात सिर्फ मक्के की नहीं बल्कि है, हर पकी हुई चीज की है जिसका स्वाद चखने के लिए नेताजी आतुर रहते हैं।

जनहित की तमाम समस्याओं को दरकिनार कर अपने शागिर्दों के साथ मौसम और फुर्सत के पलों में मक्का की दावत उड़ाना किसानों की परेशानियों, जनता के रूके हुए कार्यों, रोजगार की तलाश में भटकते हुए युवाओं व सुरक्षा के अभाव में डर-डर कर शहर में निकलती मातृशक्ति का मजाक उड़ाना है। माना की स्वाद बड़ी चीज है, स्वाद के लिए सबकुछ भूल जाना भी ठीक बात नहीं है। यह बात जगजाहिर है कि स्वाद के शौकिनों के लिए चुटकी भर नमक चटनी व भुट्टा ही काफी है। बात भुने हुए मक्के की हो रही है, इसीलिये कोई भी इर्द-गिर्द ना पहुंचे सीधे मक्के पर ध्यान केन्द्रित रखें, क्योंकि ध्यान भटकते ही चटनी ज्यादा हुई तो स्वाद बिगाड़ जाएगा और नेताजी भुने हुए भुट्टे की तरह काले नहीं बल्कि लाल हो जाएंगे।

मक्का का स्वाद बेमिसाल यह बात जाने सिर्फ किसान

उत्तम किस्म का बीज, पानी और उस पर समयनुसार खाद डालने और मौसम की मार से बच जाने के उपरांत पककर तैयार हुई मक्का की फसल के पीछे का संघर्ष तो किसान ही जानता है। आज जो संघर्ष किसान कर रहे, उसका स्वाद लेने पहुंचे नेताजी काश किसानों के साथ कतार में खड़े होते तब मक्का की पार्टी करने का असल आनंद आता, किन्तु यह सबकुछ उन्होंने नहीं जानी, क्योंकि पकी हुई फसल का स्वाद लेना ही उनकी आदत में सुमार है।

छतरपुर में 35 वर्षों का टूटा रिकॉर्ड, 2 दिन में ही हुई 22 इंच बारिश,जिले के कई विकासखंडों ने औसत आंकड़े को छुआ

छतरपुर। इस वर्ष बारिश का क्रम लगातार चल रहा है। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश ने करीब 30 से 35 वर्ष का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। छतरपुर में सिर्फ दो दिनों की बारिश में 22 इंच से अधिक आंकड़ा पहुंच गया था। 1 जून से 18 जुलाई तक हुई बारिश के आंकड़ों के मुताबिक छतरपुर औसत आंकड़े तक पहुंच गया। जिले की औसत बारिश 42.3 इंच है। शुक्रवार को जो आंकड़े मिले उनके मुताबिक बिजावर 44.9, बड़ामलहरा 42 इंच बारिश तक पहुंच गया। अन्य आंकड़ों में नौगांव 36.5 इंच, गौरिहार 33.8 इंच, राजनगर 29.6 इंच, बकस्वाहा 24.4 इंच और लवकुशनगर में बारिश का आंकड़ा 22.9 इंच है। जिले भर के जलस्रोत लबालब भर चुके हैं। कई जगह तो खेत जलमग्न हो गए। जो लोग जलस्रोतों के पास घर बनाकर रह रहे थे उनके घरों में भी पानी घुस गया है। पिछले साल बकस्वाहा और राजनगर को छोड़कर अन्य जनपद मुख्यालयों के मिले आंकड़े 10 इंच के करीब रहे।

मूसलधार बारिस ने मचाया हाहाकार: गुरुवार की रात को हुई मूसलाधार बारिश ने जिले में हाहाकार मचा दिया। नदियों का पानी सड़कों में भर गया तो वहीं पुल-पुलियां टूटने से आवागमन प्रभावित हुआ। लगभग 20 घंटे तक बारिश का दौर चलने से कालापानी में पुलिया टूट गई, साथ ही आसपास रहने वाले लोगों के घरों में पानी घुस गया। कई स्थानों पर बिजली के खंभे टूटने के भी समाचार हैं।

स्थानीय प्रताप सागर तालाब के चौपाटी क्षेत्र में सभी सीढ़ियां पानी में डूब गईं। यहां आए लोगों का कहना है कि करीब 35 वर्ष पहले ऐसी स्थिति देखने को मिली थी। तब से यह दूसरा अवसर है जब जुलाई में ही पूरा तालाब भर गया है। उधर गौरिहार और खड्डी के बीच से निकली नदी का पानी रिपटा के ऊपर था जिससे आवागमन ठप्प हो गया। गुरसारी में भी पानी की वजह से आवागम प्रभावित हुआ है। खजुराहो क्षेत्र में स्थित कुटने डेम के गेट पहली बार खोले गए हैं। बताया जाता है कि जबसे कुटने जलाशय का निर्माण हुआ तब से यह पूरा नहीं भर सका था। 10 वर्षों से अधिक समय बाद यह पूरा भर गया। पानी अधिक आने की वजह से इसके गेट खोले गए हैं।

जलस्रेतों के किनारे पुलिस तैनात, लोगों से सावधान रहने की अपीलत्र जैसे ही मूसलाधार बारिश के कारण जिले के विभिन्न हिस्सों में जलभराव और नदी नालों के उफान पर आने की सूचना मिली वैसे ही जिला प्रशासन सतर्क हो गया। कलेक्टर के निर्देश पर प्रशासनिक अमला और एसपी के निर्देश पर पुलिस बल उन संबंधित स्थानों पर पहुंच गई जहां लोगों को खतरा था। पुलों और रिपटों के ऊपर से बह रहे पानी को ध्यान में रखते हुए आसपास रहने और वहां से निकलने वाले लोगों को सचेत किया गया कि वे सावधान रहें ताकि खतरों से बचा जा सके। टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं और लोगों को सतर्क रहने की अपील कर रही हैं।

छतरपुर विधायक ने जलभराव क्षेत्र का किया निरीक्षण: छतरपुर विधायक ललिता यादव ने सुबह से ही जलभराव क्षेत्र का निरीक्षण किया। चूंकि मूसलाधार बारिश के कारण शहर के कई क्षेत्रों में पानी भर गया था। जैसे ही उन्हें इस संबंध में जानकारी मिली वे तुरंत प्रशासनिक अमले को साथ लेकर संबंधित क्षेत्रों का जायजा लेने पहुंची। निरीक्षण करते हुए उन्होंने समुचित व्यवस्था करने का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रशासन से कहा कि वे जलभराव क्षेत्र की लगातार निगरानी करें ताकि छतरपुर की जनता को कोई परेशानी न हो।

मौसम विभाग ने कहा- अब 30 जुलाई तक साफ रहेगा मौसमः मौसम विभाग का कहना है कि करीब तीन दशक के बाद ऐसा संयोग बना कि बंगाल की खाड़ी और अरब सागर की खाड़ी में बने सर्कुलेशन बुंदेलखंड में मिल गए। दोनों ओर से बादल बारिश लेकर आए इसलिए यहां इतनी जोरदार बारिश हुई है। मौसम विभाग के आरएस परिहार ने बताया कि अब यह सर्कुलेशन ग्वालियर क्षेत्र की ओर निकल गया है। जो संदेश मिल रहे हैं उनके मुताबिक 30 जुलाई तक मौसम साफ रहेगा। हालांकि लोकल डिस्टर्बेन्स होने से हल्की बारिश के आसार बने रहेंगे।

नौगांव में 24 घंटे में 5-8 इंच बारिश, उर्मिल डैम के 7 गेट खुले: नौगांव क्षेत्र में बीती रात 5 से 8 इंच बारिश हुई, जिसके बाद उर्मिल नदी पर बना उर्मिल डैम लबालब हो गया। हालात ऐसे थे कि रात को डैम के 7 गेट खोलने पड़े। मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश सीमा पर बढ़ते जलस्तर को देखते हुए महोबा कलेक्टर गजल भारद्वाज ने सिंचाई विभाग के कर्मचारियों के साथ डैम का निरीक्षण किया और गेट खोलने के निर्देश दिए। इससे मध्य प्रदेश के सिंहपुर बहराइच डैम पर भी दबाव बढ़ा, जिसके गेट खोलने की तैयारी के लिए नौगांव एसडीएम ने निरीक्षण किया।

उर्मिल नदी के पानी में डूबा संजयनगर टोल प्लाजा

लवकुशनगर क्षेत्र में उर्मिल नदी उफान पर है। शुक्रवार को संजयनगर के एमपीआरडीसी टोल प्लाजा तक पानी पहुंच गया। इसके साथ ही स्थानीय तहसील कार्यालय, न्यायालय और बीआरसी कार्यालय में भी जलभराव हो गया। यहीं उमरिया गांव के मलखान पटेल, जो हसपुरा मौजा में खेती करता है, रात में अचानक बढ़े जलस्तर के कारण नदी के बीच पेड़ पर फंस गया। शुक्रवार दोपहर 2ः40 बजे तक वह पेड़ पर ही फंसा रहा। बाद में किसी तरह उसे सकुशल बाहर निकाला गया। लवकुशनगर एसडीएम राकेश शुक्ला, थाना प्रभारी अजय अम्बे, जनपद सीईओ और पुलिस मौके पर मौजूद रहे और लोगों को पानी से दूर रहने के निर्देश दिए।

धसान नदी के टापू पर फंसे डेढ़ दर्जन ग्रामीणों का किया गया रेस्क्यू: जिले के सुजारा बांध से धसान नदी में पानी छोड़े जाने के कारण हरपालपुर क्षेत्र के चपरन गांव में पुराने चपरन की चट्टान पर बने टापू पर करीब डेढ़ दर्जन लोग सुबह 7 बजे फंस गए। प्रशासन ने पहले ही ग्रामीणों को टापू छोड़कर गांव की आंगनबाड़ी में बने बाढ़ राहत शिविर में जाने की अपील की थी, लेकिन अनदेखी के कारण यह स्थिति बनी। बाद में नौगांव तहसीलदार पीयूष दीक्षित और पटवारी आशीष पांडेय के नेतृत्व में थाना पुलिस, राजस्व अमले और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से नावों के जरिए तेज बहाव के बीच फंसे लोगों का रेस्क्यू किया गया।

मध्यप्रदेश में प्रमोशन का रास्ता साफ हुआ तो हर साल निकलेंगी 75 हजार भर्तियां

भोपाल। मध्यप्रदेश में सरकारी नौकरी के इंतजार में बैठे लाखों युवाओं के लिए खुशखबर है। अभी प्रदेश के 14 बड़े विभागों में 1 लाख 2 हजार 61 पद खाली हैं। अगर प्रमोशन का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया तो अगले 4-5 सालों में हर साल औसतन 75 हजार पदों पर भर्तियां होंगी। प्रमोशन में पेच फंसा भी रहा तो भी सरकार हर साल करीब 30 हजार पदों पर भर्ती की तैयारी कर रही है।

फिलहाल सरकार ने 2024 के भर्ती कैलेंडर के मुताबिक करीब 27 हजार पदों के लिए चयन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी बीच 2025 में करीब 25 हजार कर्मचारी रिटायर होने वाले हैं। प्रमोशन का मामला सुलझने के बाद करीब 2 लाख नए पद तैयार होंगे। यानी पहले से खाली पद, नई रिक्तियां और प्रमोशन से खाली होने वाले पद मिलाकर प्रदेश में कुल 2 लाख 25 हजार पदों की वैकेंसी निकलेगी। सरकार इन्हें हर साल एक तय मानक के हिसाब से भरेगी।

मौजूदा प्लानिंग के मुताबिक अगर सब कुछ ठीक रहा तो हर साल कम से कम 75 हजार युवा सरकारी नौकरी पा सकते हैं। इसके लिए औसत 30 हजार पदों पर सामान्य भर्तियां और बाकी प्रमोशन के चलते खाली हुए पदों को भरा जाएगा।

पिछले पांच साल का लेखा-जोखा प्रदेश में वर्ष 2020 से 2024 तक 69,550 पद खाली हुए। इसके मुकाबले 68,777 पदों के लिए विज्ञापन जारी हुए और इनमें से 43,735 पदों के रिजल्ट आए। 2024 की भर्ती में अब तक 3,389 पदों के नतीजे घोषित हुए हैं, जबकि 10,459 पदों का रिजल्ट अभी बाकी है। 2021 कोरोना की वजह से खाली ही गया। उस साल कोई भर्ती नहीं हो सकी थी। अब 2025 के लिए 25,472 पदों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। इनमें से फिलहाल 13,089 पदों पर ही भर्ती आगे बढ़ पाई है।

सबसे ज्यादा खाली पद इन्हीं विभागों में: अगर सीधी भर्ती की बात करें तो स्कूल शिक्षा विभाग में सबसे ज्यादा 26,210 पद खाली हैं। गृह विभाग यानी पुलिस-होमगार्ड में 20,470, नगरीय विकास एवं आवास में 9,180, तकनीकी शिक्षा व कौशल विकास विभाग में 7,151 और उच्च शिक्षा विभाग में 7,069 पद खाली पड़े हैं। इन भर्तियों को लेकर कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) ने आने वाली परीक्षाओं का टाइमटेबल भी तय कर लिया है। नई भर्तियां अगस्त 2025 से शुरू होकर मई 2026 तक चलेंगी। इस दौरान 14 अलग-अलग तरह की परीक्षाएं होंगी और करीब 25,472 पदों पर भर्तियां की जाएंगी।

9 साल बाद आई नई प्रमोशन पॉलिसी: प्रदेश में प्रमोशन को लेकर मामला साल 2016 से अटका हुआ था। वजह थी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में मामला लंबित होना। सरकार ने तब एसएलपी दायर की थी, जिससे प्रमोशन रुक गया था। जून 2025 में मुख्यमंत्री मोहन सरकार ने नई पदोन्नति नीति लागू कर दी है। इसमें आरक्षण का प्रावधान भी जोड़ा गया।हालांकि सपाक्स संघ ने इस नई नीति को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। याचिकाकर्ता सुयश मोहन गुरु का कहना है कि प्रमोशन में आरक्षण देना संविधान के खिलाफ है। उन्होंने कोर्ट से इस पर स्टे मांगा था। सरकार की तरफ से महाधिवक्ता ने कोर्ट में अंडरटेकिंग दी कि फिलहाल नए नियमों के तहत प्रमोशन में आरक्षण लागू नहीं करेंगे, लेकिन इसके लिए थोड़ा वक्त दिया जाए।

कई अधिकारी बिना प्रमोशन रिटायर: पिछले 9 साल में प्रदेश में एक लाख से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी प्रमोशन का इंतजार करते-करते रिटायर हो चुके हैं। सरकार ने इनमें से कई को क्रमोन्नति और समयमान वेतनमान देकर प्रमोशन जैसा वेतन तो देना शुरू कर दिया, लेकिन दिक्कत यह है कि उन्हें प्रमोशन का लाभ जमीन पर नहीं मिल पा रहा। जैसे पुलिस विभाग में कई टीआई को डीएसपी बना दिया गया, लेकिन उन्हें डीएसपी वाली सुविधाएं तक नहीं दी जा रहीं।

अभी क्यों अटका है मामला?: हाईकोर्ट ने फिलहाल प्रमोशन में आरक्षण पर रोक लगा रखी है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने सरकार से पूछा कि 2002 के पुराने नियम और 2025 के नए नियमों में क्या फर्क है? सरकार इसका साफ जवाब नहीं दे पाई। ऐसे में कोर्ट ने नए नियमों को लागू करने से रोक दिया। अब सरकार की कोशिश है कि कोर्ट में ठोस जवाब देकर प्रमोशन पॉलिसी को लागू करवा दिया जाए, ताकि विभागों में प्रमोशन रुके नहीं और खाली पदों पर नई भर्तियां हो सकें। बेरोजगार

सांसद ने किया रामेश्वरधाम में सुंदरकांड का सामूहिक पाठ

भुट्टा पार्टी में शामिल हुए जिले भर के जनप्रतिनिधि

छिंदवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू की दादाजी धूनीवाले खंडवा तक पदयात्रा सम्पन्न हुई यात्रा की पूर्णता के बाद सावन माह के इस पवित्र माह में सांसद ने परिवार सहित रामेश्वरधाम में श्री सुंदरकाण्ड का सामूहिक पाठ और भगवान महादेव की आराधना किए। इस अवसर पर सांसद ने रामेश्वर धाम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, पत्रकारों को भुट्टा पार्टी दी जिसमें बड़ी संख्या में जिले भर से लोग शामिल हुए । बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने भुट्टे का लुफ्त उठाया। साथ ही यहां भगवान भोलेनाथ का आर्शीवाद प्राप्त करने लोगों का मेला लगा रहा।

प्रदेश महामंत्री कविता पाटीदार पहुंची छिंदवाड़ा...

जिला कार्यालय के नवीनीकरण का किया अवलोकन

छिंदवाड़ा। राज्यसभा सांसद, प्रदेश महामंत्री सुश्री डॉ. कविता पाटीदार, सांसद बंटी विवेक साहू एवं जिला संगठन प्रभारी संतोष पारिक शुक्रवार को जिला भाजपा कार्यालय पहुंचे। जिला भाजपा कार्यालय पहुंचने पर प्रदेश महामंत्री सुश्री कविता पाटीदार, सांसद बंटी विवेक साहू एवं जिला संगठन प्रभारी संतोष पारिक का भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। स्वागत उपरान्त प्रदेश महामंत्री सुश्री कविता पाटीदार, सांसद बंटी विवेक साहू एवं जिला संगठन प्रभारी संतोष पारिक द्वारा भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों से संगठनात्मक चर्चा की साथ ही जिला भाजपा कार्यालय के नवीनीकरण का अवलोकन किया एवं नवीनीकरण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव के साथ अमरवाड़ा विधायक राजा कमलेश शाह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विजय झांझरी, जिला महामंत्री टीकाराम चन्द्रवंशी, जिला मंत्री अरुण चंदेल, पूर्व नगर पालिक निगम अध्यक्ष धर्मेन्द्र मिगलानी, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय पटेल, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती गरिमा दामोदर, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष योगेन्द्र राणा, भाजपा नेता विजय पांडे, अजय सक्सेना, गुरजीत सिंह शंटी बेदी, नीरज भारद्वाज, दिन्शु यादव, अनीष पटेल, अभिषेक वर्मा, प्रतीक दामोदर सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

कृषि उत्पादन बढाने में आपका साथी जिला सहकारी बैंक

छिंदवाड़ा। जिला सहकारी बैंक मर्या. छिंदवाड़ा के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभय कुमार जैन ने बताया कि कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक शीलेन्द्र सिंह के सतत मार्गदर्शन में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. छिंदवाड़ा से संबद्ध सभी बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां दिनांक 01.04.2025 से कम्प्यूटरीकृत हो चुकी है। जिले में 14 नई बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का गठन किया गया है। बैंक अमानतों की सुविधा हेतु STM Debot Card बैंक की शाखाओं द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे है जिनके माध्यम से अमानतदार किसी भी हेतु एटीएम मशीन से नगद आहरण कर सकते है। PACS से संबंधित सदस्य को Digital KCC कार्डो का वितरण भी लगातार किया जा रहा है जिसमें कृषक सदस्यों को PACS से वस्तु ऋण प्राप्तकरने में सुविधा होगी। वर्तमान में सभी PACS कॉमन सर्विस सेंटर के साथ में कार्य कर रहे है जिसमें कृषक सदस्यों को समिति मुख्यालय पर ही समस्त Digital सुविधाऐं प्राप्त हो रही है। बैंक से संबद्ध समिति हर्रई एवं चावलपानी आदिवासी ग्रामीण अंचल में प्रधान मंत्री जन औषधि केन्द्र का संचालन भी किया गया है जिससे कृषक सदस्यों को करीबन 50-60 प्रतिशत तक कम दामों पर दवाईयां उपलब्ध कराई जा रही है। जिसका लाभ क्षेत्रवासी प्राप्त कर रहे है इसी के साथ ही जिला छिंदवाड़ा एवं पांढुर्ना हेतु समिति रिधोरा को बीज व्यवसाय कीटनाशक व्यवसाय, समिति उमरानाला को जनऔषधि केन्द्र एवं कीटनाशक व्यापार, समिति चावलपानी को एलपीजी एजेंसी एवं कीटनाशक व्यापार, समिति हर्रई को ईफको बाजार/संकर बीज एवं कीटनाशक व्यापार, समिति चौरई को गुड़ पाउडर/जनऔषधि केन्द्र/कीटनाशक व्यापार, समिति जामसांवली को धरमकांटा/होटल व्यवसाय/जनऔषधि केन्द्र एवं ईफको फ्रेन्चाइसी, समिति बोरगांव को कीटनाशक व्यवसाय/ईफको फ्रेन्चाइसी, समिति धनपेठ को मूंगफली सार्टिंग एवं ग्रेडिंग/ईफको फ्रेन्चाइसी, समिति तिगांव में कीटनाशक व्यवसाय/ईफको उत्पाद एवं संकर बीज, समिति राजोराकलां को फ्रुट ग्रेडिंग संयंत्र एवं ईफको फ्रेन्चाइसी व्यवसाय हेतु प्रस्तावित किया गया है।

रंगे हाथों रिश्वत लेते पकड़ाये उपयंत्री, रोजगार सहायक

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ जबलपुर की टीम ने की कार्रवाई

छिंदवाड़ा। जिले के चौरई में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ जबलपुर की टीम ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के उपयंत्री और ग्राम रोजगार सहायक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी में नीरज डेहरिया, पिता जी.एल. डेहरिया–उपयंत्री, जनपद पंचायत चौरई– रिश्वत राशि रू. 25,000,आशीष शर्मा, पिता विजय शर्मा ग्राम रोजगार सहायक, ग्राम पंचायत खिरखिरी– रिश्वत राशि रू.5,000 शामिल है।

जानकारी के अनुसार लालजी सोलंकी, निवासी ग्राम खिरखिरी, तहसील चौरई ने 15 जुलाई 2025 को आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ जबलपुर में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, उनकी भाभी आरती वर्मा, ग्राम पंचायत खिरखिरी की सरपंच हैं। पंचायत के तहत हुए नाली व सड़क निर्माण कार्य के निरीक्षण और पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने के एवज में उपयंत्री नीरज डेहरिया ने 50,000 और ग्राम रोजगार सहायक आशीष शर्मा ने 15,000 की रिश्वत की मांग की थी। प्रार्थी ने अधिकारियों को रंगे हाथों पकड़वाने की मंशा जाहिर की, जिसके बाद शिकायत की प्रारंभिक जांच में आरोप सत्य पाए गए। स्पष्ट हुआ कि बिना रिश्वत लिए संबंधित अधिकारी अपने शासकीय कर्तव्यों का निर्वहन नहीं कर रहे थे। 18 जुलाई 2025 को जबलपुर की ट्रैप टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को चौरई कस्बे में एक ही स्थान पर रिश्वत की पहली किश्त लेते हुए पकड़ लिया। नीरज डेहरिया को 25,000 और आशीष शर्मा को 5,000 की नकद रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में शामिल ट्रैप दल में मनजीत सिंह, उप पुलिस अधीक्षक प्रेरणा पाण्डेय, निरीक्षक मोमेन्द्र कुमार मर्सकोले, निरीक्षक आरक्षक सगीर खान (चालक), आरक्षक सुमित पाण्डेय , ए.व्ही. सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, भूमेश्वरी चौहान, निरीक्षकप्र0आर0 कयूम खान (चालक), आरक्षक सुमित रजक,महिला आरक्षक जसलीन कौर शामिल थे।

2 साल से बनकर तैयार पट्टे आज तक नहीं बंटे नेताप्रतिपक्ष ने एसडीएम को लिखा पत्र

परासिया। नगरपालिका डोंगर परासिया वार्ड क्रमांक 1 के लगभग 32 लोगों को पट्टे लगभग 2 साल से बनकर तैयार है मगर आज तक नहीं दिए गए नेताप्रतिपक्ष वीर बहादुर सिंह ने जल्द से जल्द पट्टे वितरित का मांग की है उन्होंने कहा कि 2 सितंबर 2023 को नगरपालिका ने पट्टे बांटे जो शहर लगभग हर वार्ड में पट्टे बांटे गए केवल वार्ड क्रमांक 1 के पट्टे बनकर तैयार 32 लोगों को पट्टे नहीं दिए गए उनके द्वारा लगातार पट्टे को लेकर कलेक्टर महोदय एस डी एम महोदय मुख्य नगरपालिका अधिकारी को पत्र लिखकर दिया गया मगर पट्टे नहीं दिए गए बार बार बहाना बनाकर भेज दिया गया है नेताप्रतिपक्ष वीर बहादुर सिंह से उनके द्वारा बात बताई गई तो उन्होंने तत्काल एस डी एम महोदय को पत्र लिखकर पट्टे दिलाने की मांग की उन्होंने यहां भी कहां की ये गरीब लोग हैं यह दैनिक मजदूरी कर कर अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं इनके द्वारा पट्टे का आवेदन किया गया था जो की बनकर तैयार भी हो गया लगभग 2 साल हो गए इन्हें पट्टे नहीं मिला है अगर इन्हें पट्टे मिल जाएगा तो इन्हें शासन की योजनाओं का लाभ भी मिलेगा शासन के द्वारा गरीबों के लिए एवं उसे पर निवास करने वालों पर पट्टा प्रदान करने को कहा गया है यह लोग वार्ड क्रमांक एक में सालों से शासकीय की जमीन पर निवास कर रहे हैं तथा ऐसे लोगों को जल्द से जल्द पट्टा प्रदान किया जाए 32 पट्टे में एक पट्टा दे दिया गया है।

भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र परिसर में अमृत फार्मेसी का लोकार्पण कर अवलोकन किया गया। इस अवसर पर प्रभारी निदेशक बीएमएचआरसी मनीषा श्रीवास्तव सहित, अस्पताल प्रबंधन एवं चिकित्सक उपस्थित रहे।

24 घंटे में 4.5 इंच तक गिर सकता है पानी

प्रदेश में मानसून का असर तेज, आज 14 जिलों में मूसलधार बारिश की चेतावनी

भोपाल। मध्यप्रदेश में मानसून का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हो गया है, जिससे प्रदेश भर में तेज बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने शनिवार को राज्य के 14 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इन जिलों में ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, आगर-मालवा, राजगढ़, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, डिंडौरी और अनूपपुर शामिल हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, अगले 24 घंटों में इन क्षेत्रों में 4.5 इंच तक बारिश हो सकती है, जिससे नदियों और नालों में जलस्तर और बढ़ सकता है। शनिवार को कुछ स्थानों पर बारिश की तीव्रता में कमी आने की संभावना है, लेकिन इससे बाढ़ का खतरा कम नहीं हुआ है। ग्वालियर सहित 16 जिलों में बाढ़ की आशंका जताई गई है। शिवपुरी जिले में हालात को देखते हुए शनिवार को नर्सरी से 12वीं तक के स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। जिन जिलों में बाढ़ का खतरा है उनमें छतरपुर, दमोह, कटनी, पन्ना, सागर, सतना, टीकमगढ़, अशोकनगर, दतिया, गुना, राजगढ़, श्योपुर, शिवपुरी और विदिशा शामिल हैं। इन इलाकों में शुक्रवार को भी मूसलाधार बारिश दर्ज की गई थी, जिससे कई जगहों पर जलभराव हो गया है।

डैमों के गेट खोले, पुल पर पानी, हाईवे बंद

लगातार हो रही बारिश के कारण प्रदेश के कई जलाशयों और डैमों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। छतरपुर जिले के रनगुवां डैम के 12, कुटनी डैम के 7 और लहचूरा डैम के 13 गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। शिवपुरी के मड़ीखेड़ा स्थित अटल सागर बांध के भी 2 गेट खोले गए हैं। टीकमगढ़ में पूनौल नाला उफान पर है और पुल पर 3 फीट तक पानी बहने लगा है, जिस कारण झांसी हाईवे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इन हालातों के चलते छतरपुर, टीकमगढ़, रीवा, सतना, डिंडौरी और मऊगंज जिलों के स्कूलों में भी छुट्टी की घोषणा की गई है।

बारिश ने रोकी पढ़ाई, शिवपुरी में आज स्कूल बंद

शिवपुरी में भारी बारिश के कारण नर्सरी से लेकर कक्षा 12वीं तक के स्कूलों में आज अवकाश घोषित किया गया है। वहीं, छतरपुर में भारी वर्षा के चलते रनगुवां डैम के 12, कुटनी के 7 और लहचूरा डैम के 13 गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। शिवपुरी में भी मड़ीखेड़ा अटल सागर बांध के दो गेट खोले गए हैं। टीकमगढ़ में पूनौल नाला उफान पर रहा और पुल पर करीब 3 फीट तक पानी बहने लगा, जिससे झांसी हाईवे पर ट्रैफिक पूरी तरह रोक दिया गया। छतरपुर, टीकमगढ़, रीवा, सतना, डिंडौरी और मऊगंज में भी शुक्रवार को सभी स्कूलों में छुट्टी रही।

बारिश का सिस्टम धीरे-धीरे हो सकता है कमजोर

मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने जानकारी दी है कि फिलहाल एक मानसून ट्रफ प्रदेश से होकर गुजर रही है और इसके साथ एक डिप्रेशन सिस्टम भी सक्रिय है। यही कारण है कि शुक्रवार को कई जिलों में अति भारी बारिश हुई। हालांकि, अनुमान है कि शनिवार के बाद सिस्टम कमजोर पड़ सकता है और बारिश की तीव्रता में थोड़ी गिरावट आएगी। इस वर्ष अब तक प्रदेश में औसतन 20.1 इंच बारिश हो चुकी है, जबकि सामान्यतः इस समय तक 11.8 इंच बारिश होनी चाहिए थी। यानी अब तक 8.3 इंच अधिक वर्षा दर्ज की जा चुकी है। खास बात यह है कि इस बार पूर्वी मध्यप्रदेश में मानसून अधिक सक्रिय रहा है, जिससे वहां के जिलों में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है।

शिवपुरी और आसपास के जिलों में 9 घंटे में डेढ़ इंच बारिश

प्रदेश के कई हिस्सों में शुक्रवार को जमकर बारिश हुई। शिवपुरी में मात्र 9 घंटे के भीतर डेढ़ इंच वर्षा दर्ज की गई। वहीं, गुना और ग्वालियर में सवा इंच, रतलाम में 1.2 इंच और छतरपुर के नौगांव में 1 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। दतिया में आधा इंच पानी गिरा। इसके अलावा, भोपाल, नर्मदापुरम, उज्जैन, जबलपुर, मंडला, सागर, सिवनी, टीकमगढ़, बालाघाट, मऊगंज, रीवा, सतना और श्योपुर समेत कई जिलों में रुक-रुक कर बारिश होती रही। कहीं झमाझम तो कहीं रिमझिम फुहारें लोगों को राहत और दिक्कत दोनों दे रही हैं।

ईएसबी ने भर्ती परीक्षा सिस्टम बदलने के लिए शासन को भेजा प्रस्ताव, अलग-अलग जगह केवल 4 परीक्षा कराने की योजना

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार अलग-अलग भर्ती परीक्षाएं कराने की जगह संयुक्त परीक्षा कराने के लिए ईएसबी (कर्मचारी चयन मंडल) ने एक प्रस्ताव बना लिया है। इसे शासन को विचारार्थ भेजा गया है। शासन की मंजूरी होने पर इसे लागू किया जाएगा। दरअसल अभी ईएसबी अलग-अलग 30 से अधिक भर्ती परीक्षाएं अपने कैलेंडर में कराता है। सीएम ने हाल ही में कहा था कि पीएससी, ईएसबी जैसी भर्ती संस्थाओं से अलग-अलग परीक्षा की जगह संयुक्त परीक्षा कराने पर काम करने के लिए कहा गया है। जैसे कि संघ लोक सेवा आयोग करता है, जिसमें मेरिट क्रम से ऊपर से नीचे का पद उम्मीदवार को मिलता है। इससे बार-बार परीक्षा देने की जरूरत नहीं होगी और भर्ती प्रक्रिया में भी तेजी आएगी।

भर्ती परीक्षा के सिस्टम बदलने के प्रस्ताव को समझें- सिंगल परीक्षा प्रणाली-ईएसबी ने 30 से अधिक परीक्षाओं की जगह केवल 4 प्रमुख परीक्षाएं आयोजित करने का प्रस्ताव भेजा है। ये 4 परीक्षाएं स्नातक, हायर सेकंडरी, तकनीकी पदों और शिक्षक पात्रता से संबंधित होंगी। इससे उम्मीदवारों को बार-बार परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी और भर्ती प्रक्रिया तेज होगी। परीक्षा शुल्क और ईएसबी के परीक्षा खर्च में बचत होगी। इस प्रक्रिया के लिए सभी विभागों से सुझाव लिए गए हैं और पीएससी से भी संयुक्त परीक्षा कराने की उम्मीद है।

30 की जगह 4 परीक्षा कराने पर विचार- इसी पर काम करते हुए ईएसबी ने प्रस्ताव बनाया है कि साल में 30 की जगह केवल 4 परीक्षाएं ही आयोजित करेगा और इसमें एक जैसे समकक्ष पदों को एक परीक्षा में रखा जाएगा। प्रस्ताव के तहत चार परीक्षाओं में यह होगा।

स्नातक स्तरीय परीक्षा- सभी ग्रुप सी के पदों के लिए

हायर सेकंडरी स्तरीय परीक्षा- 13वीं पास योग्यता वाले पदों के लिए। **तकनीकी पदों के लिए-** इंजीनियरिंग, आईटीआई जैसी तकनीकी योग्यता के लिए। **शिक्षक पात्रता परीक्षा-** उच्च माध्यमिक, माध्यमिक व प्राथमिक शिक्षक पदों के लिए। इससे यह लाभ होगा उम्मीदवारों को अलग-अलग परीक्षाएं नहीं देनी होंगी कम परीक्षा होने पर समय पर परीक्षाएं आयोजित होंगी और प्रक्रिया में तेजी आएगी। परीक्षा शुल्क का खर्च बचेगा तो वहीं ईएसबी का परीक्षा खर्च भी बचेगा। भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी। मेरिट के आधार पर पद मिलेगा।

विभागों से भी मांगे गए हैं सुझाव

ईएसबी ने इस प्रक्रिया के लिए सभी विभागों से भी सुझाव लिए हैं। जिससे बेहतर प्रक्रिया को अपनाया जा सके। इस साल मंडल द्वारा 25 हजार से अधिक पदों के लिए विविध भर्ती परीक्षाएं की जा रही हैं। इसमें आबकारी आरक्षक परीक्षा, प्राथमिक शिक्षक भर्ती, ग्रुप टू सब ग्रुप 3, , ग्रुप वन सब , ग्रुप टू, क्षेत्ररक्षक व जेल प्रहरी 2025 जैसी कई परीक्षाएं प्रस्तावित हैं।

अभी पीएससी ने इसका प्रस्ताव नहीं बनाया

सीएम ने इसी तरह पीएससी से भी उम्मीद की है कि वह संयुक्त भर्ती परीक्षाएं कराए। हालांकि राज्य सेवा व वन सेवा परीक्षा आयोग द्वारा संयुक्त तौर से ही कराई जाती है। राज्य सेवा परीक्षा में 30 से अधिक विभागों के लिए भर्ती होती है, जिसमें डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी से लेकर तहसीलदार तो आबकारी इंस्पैक्टर, जिला पंजीयन जैसे कई पद शामिल होते हैं। लेकिन इसके साथ ही आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर, मेडिकल ऑफिसर, इंजीनियरिंग परीक्षा सहित कई परीक्षाएं भी कराता है। इसमें भी एकरूपता आने से उम्मीदवारों के लिए आसानी होगी।

ट्रैफिक व्यवस्था और अतिक्रमण पर की चर्चा

एक सप्ताह में लेफ्ट टर्न व्यवस्था सुधारने का प्लान तैयार करें: आलोक शर्मा

भोपाल। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने शहर की ट्रैफिक व्यवस्था और अतिक्रमण को लेकर शुक्रवार को कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह और पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्रा के साथ बैठक की। बैठक में सांसद ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को फटकार लगाई क्योंकि वे पिछली

बैठक में दिए गए निर्देशों पर कोई ठोस प्लान बनाकर नहीं लाए थे। उन्होंने कहा कि जब भी अधिकारी बैठक में आएं, पूरी तैयारी के साथ आएं। सांसद ने कहा कि भोपाल के 42 चौराहों पर लेफ्ट टर्न की समस्या है। इनमें से 29 चौराहे पीडब्ल्यूडी और 13 नगर निगम के अधीन आते हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि एक सप्ताह के अंदर मैनिट के ट्रैफिक एक्सपर्ट की मदद से सभी चौराहों का निरीक्षण करके एक प्लान और बजट (एस्टीमेट) तैयार किया जाए।

स्कूलों में ई-रिक्शा पर प्रतिबंध की तैयारी

कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह ने ई रिक्शा स्कूलों में प्रतिबंधित करने को कहा। उन्होंने कहा छोटे बच्चों को ई रिक्शा में बैठाकर स्कूल भेजना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि कई ई-रिक्शा अव्यवस्थित होते हैं और बच्चों की सुरक्षा के लिए यह उचित नहीं है। सांसद आलोक शर्मा ने सड़कों पर बेतरतीव तरीके से लगाए गए विद्युत ट्रांसफार्मर और खंभों को हटाने कलेक्टर से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पिछली बैठक में इसके लिए नई पॉलिसी बनाने पर चर्चा हुई थी। इस पर अधिकारियों ने बताया कि विद्युत विभाग की कमेटी बन चुकी है इसकी एक बैठक भी हो चुकी है। अगली बैठक में विद्युत विभाग की एमडी और सक्षम अधिकारियों को भी बैठक में उपस्थित रहने के लिए कहा गया। सांसद शर्मा ने कहा कि पॉलिसी ऐसी बने कि भविष्य में यदि किसी को भी अपने घर के सामने रोड पर या कॉलोनी में विद्युत खंभे लगाना है , ट्रांसफार्मर लगाना है तो उसके लिए नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस की अनुमतियां लेना आवश्यक किया जाए जिससे बिजली के खंभे और ट्रांसफार्मर शहर की यातायात व्यवस्था में बाधक न बने।

सुभाषनगर से एम्स तक हर दिन मेट्रो दौड़ रही 4 घंटे

भोपाल में 90 किमी घंटा की स्पीड से मेट्रो की टेस्टिंग की गई

- इसी महीने आएगी आरडीएसओ की टीम

भोपाल। एम्स, अलकापुरी और डीआरएम ऑफिस स्टेशन पर एंट्री-एग्जिट समेत अन्य कामों के बीच भोपाल में मेट्रो की रफ्तार बढ़ गई है। सुभाषनगर से एम्स के बीच 90 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से टेस्टिंग की जा रही है। पिछले तीन दिन से हर रोज 3 से 4 घंटे तक लगातार मेट्रो ट्रैक पर दौड़ रही है। इस दौरान 10 से 15 फेरे तक लगाए जा रहे हैं। यह टेस्टिंग नॉन स्टॉप हो रही है। टेस्टिंग के दौरान एक्सपर्ट ट्रैक, उसकी फिटनेस, अधिकतम स्पीड, सिग्नल, ब्रेकिंग सिस्टम आदि पैमाने पर जांच कर रहे हैं। मेट्रो कॉरपोरेशन ने सभी काम को खत्म करने की डेटलाइन सितंबर तक तय की है। इसके बाद अक्टूबर या नवंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेट्रो की शुरुआत कर सकते हैं। इंदौर में 31 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेट्रो का वर्चुअल उद्घाटन किया था। अब अगला फोकस भोपाल मेट्रो पर है। भोपाल मेट्रो के डिपो के अधूरे कामों के साथ-साथ एम्स, अलकापुरी और डीआरएम तिराहा स्टेशनों पर एंट्री-एग्जिट, सिविल वर्क, सिस्टम, रोलिंग स्टॉक, ट्रैफिक, सिग्नलिंग और आंतरिक व बाहरी निर्माण कार्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। इन्हें अगस्त-सितंबर तक हर हाल में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है।

आरडीएसओ टीम तकनीकी जांच करने आ सकती- इस महीने आरडीएसओ (रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन) की टीम भोपाल मेट्रो की तकनीकी जांच करने आ सकती है। इसके लिए सभी जरूरी दस्तावेज पहले ही जमा किए जा चुके हैं। यह टीम रेलवे से जुड़ी है और लखनऊ से आएगी। आरडीएसओ की अनुमति के बाद, सीएमआरएस (कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी) की टीम अंतिम निरीक्षण करेगी। ओके रिपोर्ट मिलने के बाद ही भोपाल मेट्रो में यात्रियों की आवाजाही शुरू हो सकेगी।

2018 में शुरू हुआ था काम- भोपाल में मेट्रो का पहला रूट एम्स से करोद तक 16.05 किलोमीटर लंबा है। इसमें से 6.22 किमी एम्स से सुभाष नगर के बीच का काम प्रायोरिटी कॉरिडोर के रूप में 2018 में शुरू हुआ था। सुभाषनगर से आरकेएमपी स्टेशन तक काम पूरा हो गया है। इसके आगे अलकापुरी, एम्स और डीआरएम मेट्रो स्टेशन तक ट्रैक का काम हो चुका है और मेट्रो यहां तक पहुंच चुकी है। वहीं, दोनों स्टील ब्रिज की लोड टेस्टिंग भी की जा चुकी है।

6.22 किमी लंबा है प्रायोरिटी कॉरिडोर- भोपाल में मेट्रो का 6.22 किमी लंबा प्रायोरिटी कॉरिडोर है। अगले कुछ महीनों में कॉमर्शियल रन शुरू करने का प्लान है। इसके बाद जब आप मेट्रो ट्रेन में सफर करने के लिए स्टेशन में एंट्री करेंगे तो आपको ठीक वैसी तस्वीर नजर आएगी, जो किसी एयरपोर्ट के अंदर की होती है। अंदर फूड प्लाजा और कुछ शॉप भी रहेंगी। जहां से आप खाने-पीने और जरूरत का सामान भी खरीद सकेंगे। इसके लिए मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने तैयारी भी शुरू कर दी है।

पूर्व सीएम शिवराज ने किया था ट्रायल

3 अक्टूबर 2023 को भोपाल में पहली बार मेट्रो ट्रैक पर दौड़ी थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सुभाषनगर से रानी कमलापति स्टेशन तक मेट्रो में सफर किया था। इसके बाद से ही लगातार टेस्टिंग की जा रही है। मेट्रो सबसे ज्यादा स्पीड 80 किमी प्रति घंटे से भी दौड़ चुकी है। इतनी ही स्पीड में कॉमर्शियल रन भी होगा। हालांकि, इससे पहले सुरक्षा के तमाम पैमाने जांचें जाएंगे। इसे सीएमआरएस टीम ही जांचेंगी। भोपाल में यह टीम अगले कुछ महीने में आ जाएगी। पिछले साल रेलवे ट्रैक और डीआरएम तिराहे पर दो स्टील ब्रिज भी लॉन्च कर दिए गए थे। वहीं, मार्च में दोनों ब्रिज की लोड टेस्टिंग भी कर ली गई। पहले सुभाषनगर से आरकेएमपी स्टेशनों के बीच ही मेट्रो को चलाने का प्लान था, लेकिन अब यह पूरे 6.22 किमी में दौड़ेगी। चूंकि, अभी स्टेशन में काम बाकी है। इसलिए इसे प्रायोरिटी में न लेते हुए इंदौर में पहले मेट्रो दौड़ाने का प्लान तैयार किया गया। पिछले 6-8 महीने से पूरा फोकस इंदौर पर रहा। छोटे-बड़े काम जल्दी निपटाए गए। इसलिए इंदौर में पहले मेट्रो चली।

एनएचएआई का बड़ा फैसला ब्लैकलिस्ट होगा लूज फास्ट टैग

भोपाल। अगर आप भी फास्टैग को अपनी गाड़ी की विंडस्क्रीन पर चिपकाने की बजाय हाथ में लेकर स्कैन करवाते हैं, तो अब आपको सतर्क हो जाने की जरूरत है। भारत में टोल कलेक्शन सिस्टम को सुधारने के लिए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिसमें लूज फास्ट टैग को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। इसका मतलब है कि अगर आपका फास्टैग गाड़ी की विंडस्क्रीन पर ठीक से नहीं लगा है, तो वह कभी भी काम करना बंद कर सकता है। इसके बाद टोल प्लाजा पर आपको काफी परेशानी हो सकती है। एनएचएआई का यह कदम टोल कलेक्शन सिस्टम को और बेहतर और पारदर्शी बनाने के लिए है, ताकि यात्रियों को कोई असुविधा न हो और सिस्टम में कोई गड़बड़ी न हो।

क्या होता है लूज फास्ट टैग?

लूज फास्ट टैग वह टैग है, जिसे गाड़ी की विंडस्क्रीन पर चिपकाने की बजाय, डैशबोर्ड पर या हाथ में रखा जाता है। हालांकि यह टैग सक्रिय रहता है, लेकिन इसे टोल प्लाजा पर स्कैन करना मुश्किल हो जाता है। कुछ लोग इसे जानबूझकर कई वाहनों में उपयोग करते हैं, जो कि गलत तरीके से सिस्टम का फायदा उठाने जैसा है। इसका परिणाम यह होता है कि टोल प्लाजा पर जाम लग जाता है, स्कैनिंग में देरी होती है और गलत चार्ज लग सकते हैं।

कैसे बचें फास्ट टैग ब्लैकलिस्ट होने से?

फास्ट टैग को सही तरीके से विंडस्क्रीन पर चिपकाएं, यह सुनिश्चित करें कि आपका फास्ट टैग आपकी गाड़ी की विंडस्क्रीन पर ठीक से चिपका हो। एक फास्ट टैग का उपयोग केवल एक वाहन में करें, एक ही फास्ट टैग का इस्तेमाल अलग-अलग गाड़ियों में न करें। सिर्फ अधिकृत चैनल से फास्ट टैग खरीदें, लोकल विक्रेताओं से खरीदने के बजाय, हमेशा अधिकृत पोर्टल या बैंक से फास्ट टैग खरीदें।

शॉर्ट में जानें लूज फास्ट टैग का पूरा मामला- अब से लूज फास्ट टैग यानी बिना विंडस्क्रीन पर चिपकाए गए फास्टैग को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। यदि आपका फास्टैग गाड़ी की विंडस्क्रीन पर सही तरीके से नहीं चिपका है, तो वह बंद हो सकता है। ब्लैकलिस्ट होने पर टोल प्लाजा पर आपको समस्याएं हो सकती हैं। एनएचएआई का यह कदम टोल कलेक्शन सिस्टम को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए है। यह निर्णय यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए लिया गया है। खबर यह भी 3 हजार रुपए में खत्म होगा टोल का झंझट!

सांध्यप्रकाश के स्थापना दिवस पर बधाई एवं शुभकामनायें

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, छिन्दवाड़ा
(पंजीयन कमांक 01 दिनांक 31.12.1913)

2025 अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष

हमारा वादा!
"अमानत पर ब्याज सबसे ज्यादा"

बैंक द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं:-
- किसान क्रेडिट कार्ड योजना अन्तर्गत म.प्र. शासन की नीति अनुसार किसानों को 0 (शून्य) प्रतिशत ब्याज दर पर अल्पकालीन फसल ऋण का प्रदाय।
- डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन, डीजल पंप सेट एवं ड्रिप आदि हेतु मध्यकालीन ऋण योजना।
- बैंक द्वारा सावधि जमा अमानतों (फिक्स डिपाजिट) पर आकर्षक ब्याज दरें।
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना।
- वाहन ऋण योजना, व्यक्तिगत ऋण योजना।
- व्यापारिक कैश क्रेडिट लिमिट की सुविधा।
- प्राथ. कृषि साख सहकारी समितियों में इफको व कृभको की फेन्चायजी संचालन योजना का क्रियान्वयन।
- समर्थन मूल्य उपार्जन अंतर्गत प्रा. कृषि साख सह. समितियों में धान, ज्वार, गेंहू, चना का पंजीयन एवं खरीदी की सुविधा।
- प्राथ. कृषि साख सहकारी समितियों के केन्द्रो में रासायनिक खाद के सीधे भंडारण योजना का क्रियान्वयन।
- मत्स्य एवं पशुपालन केसीसी (कार्यशील पूंजी) हेतु पात्र हितग्राही को ऋण उपलब्ध कराना।

बैंक की 26 कम्प्यूटरीकृत शाखाओं द्वारा अमानतदारों को दी जा रही सुविधाएं।
- एन.ई.एफ.टी. के माध्यम से फण्ड ट्रांसफर सुविधा।
- डी.बी.टी.एल. एवं एसएमएस अलर्ट की सुविधा।
- रूपे किसान केडिट कार्ड एवं ए.टी.एम. कार्ड की सुविधा।
- बैंक की 26 शाखाएं एवं 146 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां सदैव आपकी सेवा में तत्पर।

अभय कुमार जैन
प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी

शीलेन्द्र सिंह (आई.ए.एस.)
कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक

प्रधान कार्यालय – राज टॉकिज के पास, छिन्दवाड़ा दूरभाष कमांक 07162–247301,247302,247304,244308,247318
ई–मेल E-mail :- jskb_chw@rediffmail.com